राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,२७ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३२८ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूरोपीय संघ व ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते की वकालत कर रहे निर्यातक

नई दिल्ली। ब्रेक्जिट-बाद के दौर में भारत को यूरोपीय संघ (ईयू) और ब्रिटेन के साथ आक्रामक तरीके से अलग-अलग मुक्त व्यापार करार (एफटीए) के लिए प्रयास करने की जरूरत है। विशेषज्ञों का कहना है कि यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के बीच करार से भारत को मिलने वाले फायदों का आकलन करना अभी मुश्किल है, लेकिन इस करार से देश को अधिक लाभ होता नहीं दिख रहा है। फिर भी, देश को आइटी, आर्किटेक्चर, अनुसंधान और इंजीनियरिंग में दोनों क्षेत्रों के साथ एफटीए के बारे में सोचना चाहिए। इसकी वजह यह है कि ब्रेक्जिट करार में सेवा क्षेत्र शामिल नहीं है। निर्यातकों के प्रमुख संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय के मुताबिक भारतीय वस्तुओं को इससे विशेष फायदा नहीं होगा, लेकिन सेवा क्षेत्र में लाभ उठाया जा सकता है। अब ईयू और ब्रिटेन दोनों के साथ एफटीए वार्ताओं को आगे बढ़ाने का मौका है। वियतनाम स्पर्धियों को कपड़ा और समुद्री उत्पाद क्षेत्र में बड़ा शुल्क लाभ मिल रहा है। फियो के प्रेसिडेंट शरद कुमार सराफ का कहना था कि भारत को अब ईयू और ब्रिटेन के साथ व्यापार वार्ता को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाना चाहिए। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आइआइएफटी) के प्रोफेसर राकेश मोहन जोशी के मुताबिक ईयू और ब्रिटेन के बीच व्यापार करार के बाद भारत के पास दोनों बाजारों की मांग को पूरा करने का बेहतर मौका है। ब्रेक्जिट के बाद भारत और ब्रिटेन के कारोबारी रिश्तों पर औद्योगिक संगठन सीआइआइ द्वारा हाल ही में आयोजित सत्र में वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कह था कि ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) होने में कम से कम दो साल का समय लग सकता है। इसकी वजह है कि किसी भी एफटीए को करने में कई दृष्टिकोण पर विचार करना होता है। उन्होनें कहा था कि यह उनके लिए खुशी की बात होगी, अगर यह एफटीए अगले साल तक हो जाता है।

गृह मंत्री अमित शाह का पूर्वोत्तर राज्यों का दो दिवसीय दौरा

इन परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास

गुवाहाटी। देर रात केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन असम पहुंच गए. वे वहां पर कई सारे कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे.

गुवाहाटी में बनेगा देश का सबसे बड़ा मेडिकल कॉलेज

गृह मंत्री के कार्यालय के मुताबिक अमित शाह गुवाहाटी में 860 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले देश के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की आधारशिला भी रखेंगे । असम दर्शन कार्यक्रम के तहत वे आठ हजार 'नामघरों' या वैष्णव मठों को वित्तीय अनुदान वितरित करेंगे । साथ ही मध्य असम के बाताद्रव में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान के सौंदर्यीकरण कार्यक्रम की आधारशिला रखेंगे ।

शाम में कामाख्या मंदिर के दर्शन करेंगे अमित शाह

गृह मंत्री के कार्यालय के मुताबिक अमित शाह गुवाहाटी में 860 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले देश के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की आधारशिला भी रखेंगे । असम दर्शन कार्यक्रम के तहत वे आठ हजार 'नामघरों' या वैष्णव मठों को वित्तीय अनुदान वितरित करेंगे । साथ ही मध्य असम के बाताद्रव में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान के सौंदर्यीकरण कार्यक्रम की आधारशिला रखेंगे ।

अमित शाह पार्टी की राज्य कोर समिति से मुलाकात कर प्रदेश में संगठन की स्थिति जानेंगे और साथ ही बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल के चुनाव में जीत हासिल करने वाले नवनिर्वाचित सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे । शाम में वे प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर में पूजा अर्चना करने जाएंगे । इसके बाद वे मणिपुर दौरे पर रवाना हो जाएंगे ।

मणिपुर में कई परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास

गृह मंत्री अमित शाह 27 दिसंबर को मणिपुर में चूड़ाचांदपुर में मेडिकल कॉलेज की नींव रखेंगे । इसके बाद वे मूंगखोंग में एक IIT की आधारशिला भी रखेंगे । इसके बाद वे राज्य सरकार के गेस्ट हाउस और राज्य पुलिस मुख्यालय की इमारत की भी नींव रखेंगे । साथ ही इंफाल में एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र की आधारशिला रखेंगे ।

हवाई अड्डे पर अमित शाह का हुआ भव्य स्वागत

इससे पूर्व गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई इंटरनैशनल एयरपोर्ट पहुंचने पर अमित शाह की सीएम सर्बानंद सोनोवाल ने आगवानी की । वहीं पूर्वोत्तर लोकतांत्रिक गठबंधन के संयोजक हिमंत विश्व सरमा ने भी हवाई अड्डे पर अमित शाह से मुलाकात की । इस मौके पर असम के लोक कलाकारों की ओर से उनके स्वागत में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

पीएम किसान का ले रहे हैं लाभ तो KCC बनवाना बहुत आसान, आनाकानी करे बैंक तो इस नंबर पर करें कंप्लेन

नई दिल्ली। मोदी सरकार की सबसे बड़ी किसान योजना 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि स्कीम' के लाभार्थियों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना बेहद आसान है। अब सरकार ने इस योजना से किसान क्रेडिट कार्ड को भी जोड़ दिया है। यानी जिन किसानों को सरकार 2000-2000 रुपये की तीन किस्तों में 6000 रुपये दे रही है, उन्हें केसीसी बनवाना आसान होगा। केसीसी धारकों को 4 फीसदी पर 3 लाख रुपये तक का लोन मिलता है। अभी 25 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के 9 करोड़ किसानों के खातो में पीएम किसान सम्मान निधि की अगली किस्त डाली। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत देश के 11 करोड़ 44 लाख किसानों के जमीन का रिकॉर्ड और उनका बायोमिट्रिक केंद्र सरकार के पास है। मोदी सरकार चाहती है कि इस स्कीम के सभी लाभार्थियों के पास केसीसी भी हो। इसके लिए सरकार ने मार्च 2021 तक देश में 15 लाख करोड़ रुपये का कृषि लोन बांटने का टारगेट रखा है। इस समय देश में करीब 8 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड धारक हैं।

किसान क्रेडिट कार्ड पाने की प्रक्रिया

सबसे पहले ऑफिशियल साइट https://pmkisan.gov.in/ पर जाएं और यहां किसान क्रेडिट कार्ड का फॉर्म डाउनलोड करें। इस फॉर्म को आपको अपनी भूमि के दस्तावेज, फसल की डिटेल के साथ भरना होगा। यह जानकारी भी देनी होगी कि आपने किसी अन्य बैंक या शाखा से कोई और किसान क्रेडिट कार्ड नहीं बनवाया है। आवेदन भरकर सबमिट करें, जिसके बाद संबंधित बैंक से किसान क्रेडिट कार्ड आपको मिल जाएगा।

बैंक करते हैं आनाकानी

हालांकि केसीसी को लेकर बहुत सारे किसान बैंकों के रवैये से परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि बैंक कार्ड बनाने में आनाकानी करते हैं, उन्हें लोन नहीं देते। ऐसे में हम आपको इसका समाधान बताने जा रहे हैं। अगर कोई बैंक पात्र होने के बावजूद किसान क्रेडिट कार्ड नहीं बनाता है तो उसकी शिकायत ऐसी जगह कर सकते हैं, जहां से उस बैंक की क्लास लग जाएगी।

भारत में कोरोना ठीक होने वालों की संख्या 97 लाख के पार, दुनिया में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली। देश में 24 घंटों के दौरान कोरोना के 23,067 नए मामले मिलने के बाद संक्रमित लोगों की कुल संख्या शनिवार को 1,01,46,845 हो गई। इस दौरान 24,661 लोगों के ठीके होने से कोरोना को हराने वालों की संख्या बढ़कर 97 लाख 17 हजार 834 हो गई, जो दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा है। देश में राष्ट्रीय स्तर पर स्वस्थ होने की दर 95.77 प्रतिशत हो गई है। वहीं कोविड-19 से मृत्यु दर 1.45 प्रतिशत बनी हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार एक दिन में संक्रमण से 336 लोगों की मौत होने के बाद महामारी से मरने वालों की कुल संख्या 1 लाख 47 हजार 92 हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि मौत के 70 प्रतिशत से अधिक मामलों में रोगियों को अन्य बीमारियां भी थीं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, 24 दिसंबर तक कोविड-19 का पता लगाने के लिए कुल 16 करोड़ 63 लाख 5 हजार 762 नमूनों की जांच की जा चुकी है। इनमें से 9 लाख 97 हजार 396 नमूनों की जांच गुरुवार को की गई। संक्रमण से मौत के 336 नए मामलों में 89 महाराष्ट्र से, 37 दिल्ली से, 32 पश्चिम बंगाल से और केरल, छत्तीसगढ़ तथा उत्तर प्रदेश से 22-22 मामले आए हैं। देश में अब तक संक्रमण से हुई मौत के कुल मामलों में महाराष्ट्र में 49,058, कर्नाटक में 12,039, तमिलनाडु में 12,036, दिल्ली में 10,384, पश्चिम बंगाल में 9,505, उत्तर प्रदेश में 8,267, आंध्र प्रदेश में 7,089 और पंजाब में 5,260 लोगों की मौत हुई।

2.81 लाख मरीजों का चल रहा इलाज

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। देश में वर्तमान में 2 लाथ 81 हजार 919 मरीजों का इलाज चल रहा है जो कुल संक्रमितों का महज 2.78 प्रतिशत है। भारत में प्रति 10 लाख आबादी पर संक्रमण के सबसे कम 7 हजार 352 मामले हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर प्रति 10 लाख आबादी पर 9 हजार 931 मामले हैं।

चुनाव आयोग जल्द लॉन्च करने जा रहा है डिजिटल वोटर आईडी कार्ड

नई दिल्ली। दोहरी कॉपियो से बचने के लिए और एडिशनल स्कियोरिटी को देखते हुए चुनाव आयोग जल्द ही डिजिटल वोटर आईडी लेकर आने वाला है। आपको बता दें कि चुनाव आयोग 25 जनवरी तक डिजिटन वोटर आईडी लाने की तैयारी कर रहा है। इस दिन को भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। हालांकि ये डिजिटल कार्ड वैकल्पिक होंगे फिर भी चुनाव आयोग ने सभी निर्वाचकों के लिए प्रावधान को बढ़ा दिया है और ये उन्हें सरकार के डिजिटल दस्तावेज़ को सुरक्षित रखने वाले - डिजिलॉकर में कार्ड को संग्रहीत करने की भी अनुमति देगा। इस मामले से परिचित एक व्यक्ति ने कहा, ÷चुनाव आईडी कार्ड की डिलीवरी एक बोझिल प्रक्रिया रही है। अब, अनुमोदन के तुरंत बाद, ईपीआईसी (इलेक्टर्स फोटो आईडी कार्ड) इसे डाउनलोड किया जा सकेगा। इलेक्टर कार्ड को प्रिंट कर सकता है या सुविधा के अनुसार स्टोर कर सकता है। सामान्य माध्यम से मतदाता पहचान पत्र वितरण भी जारी रहेगा, डिजिटल कार्ड चाहने वाले पंजीकृत निर्वाचकों को मतदाता हेल्पलाइन ऐप पर अपने मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी के साथ पंजीकरण

करना होगा। एक बार पासवर्ड के साथ सत्यापन हो जाने के बाद, डिजिटल कार्ड डाउनलोड हो जाएगा। विदेशी मतदाताओं के लिए भी यही सत्यापन प्रक्रिया लागू होगी। डिजिटल वोटर कार्ड की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, दो क्यूआर कोड होंगे। पहले कोड में व्यक्ति का फोटो और जनसांख्यिकीय डेटा होगा, जबकि दूसरे में डायनामिक डेटा होगा। चुनाव से पहले, दूसरा कोड मतदान की तारीख और समय की जानकारी के साथ अपडेट हो जाएगा। यह फोटो वोटर स्लिप के उद्देश्य को पूरा करेगा, हालांकि आयोग पेपर स्लिप वितरण को भी जारी रखेगा। मामले से परिचित एक अन्य व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, कोड स्कैन किया जा सकता है और मतदाता को जारी चुनाव के बारे में वास्तविक समय डेटा प्रदान किया जाएगा डिजिटल वोटर आईडी को आयोग द्वारा सत्यापित किया जाएगा और केवल पंजीकृत मोबाइल नंबर पर डाउनलोड किया जा सकता है। एक फोन पर छह से अधिक डिजिटल वोटर आईडी कार्ड डाउनलोड नहीं किए जा सकते हैं। केवल क्यूआर कोड से जुड़ा पता ही बदल जाएगा और एक नई प्रति तुरंत डाउनलोड की जा सकती है। वर्तमान में, डुप्लिकेट कार्ड के लिए 25 रुपये का भुगतान किया जाता है।

हाथरस में फिर से गरमा रही सियासत, भारी पुलिस बल तैनात

हाथरस। हाथरस के बूलगढ़ी प्रकरण में सीबीआई के आरोप पत्र दाखिल करने के बाद से एक बार फिर से सियासत गर्मा रही है। गुरुवार को करनी सेना के पांच लोगों को पुलिस ने जेल भेजा था, लेकिन शुक्रवार को राष्ट्रीय करनी सेना भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष अपनी टीम के साथ आरोपियों के परिजनों से मिलने के लिए आ गए। पुलिस प्रशासन प्रतिनिधि मंडल को अपनी सुरक्षा में परिवार से मुलाकात कराने के लिए लेकर पहुंचा। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

बूलगढ़ी प्रकरण में सीबीआई ने अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। शुक्रवार को आजमगढ से आए राष्ट्रीय करणी सेना भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर प्रताप सिंह उर्फ वीरू सिंह, सनी सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, धीरेंद्र सिंह राष्ट्रीय संरक्षक, श्रवण सिंह हंटर प्रदेश सचिव, राजा जयसवाल (समाज सेवी) अपनी गाड़ी से बूलगढ़ी गांव जाने के लिए आ गए। जैसे ही पुलिस प्रशासन को मालूम हुआ उन्हें सादाबाद की सीमा पर रोक लिया गया। सादाबाद कोतवाली में टीम के चार सदस्यों से बातचीत की गई। बाद में उन्हें गांव जाने की अनुमति दी गयी। सीओ सादाबाद, एसओजी टीम अपनी सुरक्षा में चार सदस्यों को चंदपा तक लेकर आई। इसके बाद ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व सीओ की गाड़ी में करनी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उनकी टीम को बिठाकर गांव ले जाया गया। करनी सेना के पदाधिकारियों ने आरोपियों के परिजनों का हाल जाना। उनके काफी देर तक बातचीत की। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान बूलगढ़ी गांव के बाहर पीएसी और पुलिस बल तैनात रहा।

लगा जैसे दोस्तों ने प्रैंक किया... 21 साल की आर्या ने रच दिया इतिहास, देश की सबसे युवा मेयर चुनी गईं

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम की एक कॉलेज छात्रा को देश का सबसे युवा महापौर चुना गया है। आर्या राजेंद्रन महज 21 वर्ष की हैं। शुरू में आर्या को लगा कि यह उसके कॉलेज के कुछ दोस्तों द्वारा किया गया कोई प्रैंक है, लेकिन जब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एम) के जिला सचिवालय से उसे फोन आया और उसे पार्टी में एक प्रतिष्ठित पद सौंपने की बात कही गई, जब उन्हें इसका एहसास हुआ। पार्टी की ओर से उन्हें बताया गया कि वह तिरुवनंतपुरम निगम की नई महापौर होंगी।

कई वरिष्ठ नेता थे महापौर की रेस में-गौरतलब है कि हाल ही में महापौर और

स्थानीय निकाय के लिए चुनाव हुए थे। यहां 100 सदस्यीय निगम में सत्तारूढ़ पार्टी ने 51 सीटें जीती हैं, जबकि 35 सीटें भाजपा की झोली में गई हैं। इसके बाद सत्तारूढ़ दल ने पहली बार की पार्षद को प्रतिष्ठित पद सौंपकर सभी को हैरत में डाल दिया। पार्टी की वरिष्ठ नेता जमीला श्रीधरन और दो अन्य भी इस रेस में थे, लेकिन पार्टी ने उनकी वजाय एक युवा नेता को चुना।

बचपन से ही राजनीति से जुड़ाव-आर्या तिरुवनंतपुरम के ऑल सेंट्स कॉलेज में बीएससी गणित की दूसरे वर्ष की छात्रा हैं। वह परिषद में जरूर छोटी उम्र की हैं, लेकिन राजनीति उनके लिए नई बात नहीं है। वह छह साल की उम्र में पार्टी से जुड़े बच्चों के संगठन, बाला संगम की सदस्य बन गई थीं और अब वह इसकी प्रदेश अध्यक्ष हैं। इसके साथ ही वे स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, पार्टी की युवा शाखा के पदाधिकारी भी हैं।

पिता इलेक्ट्रीशियन और मां हैं एलआईसी एजेंट-एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मी और एक मंजिल के मकान में रहने वाली आर्या के पिता के राजेंद्रन एक इलेक्ट्रीशियन हैं, जबकि मां श्रीलता राजेंद्रन एलआईसी एजेंट हैं। महापौर के लिए चुने जाने के बाद आर्या बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा दी गई सभी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभाउंगी।

सर्दी का सितम-इस साल उत्तर भारत में क्यों पड़ेगी कड़ाके की ठंड, जानें वजह और मौसम पूर्वानुमान

नई दिल्ली। ला नीना की वजह से उत्तर भारत में इस साल ज्यादा दिनों तक कड़ाके की ठंड पड़ने की उम्मीद है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्लूएमओ) ने कहा कि विभिन्न मौसम संबंधी मापदंडों से मिले संकेत के मुताबिक फिलहाल ला नीना अपने चरम पर है। यह सितंबर से शुरू हुआ है और अगली गर्मियों तक ही अपनी स्वाभाविक स्थिति में लौटेगा। इतना ही नहीं वैज्ञानिकों ने कहा कि अगले साल मई, जून और जुलाई के साथ ही मॉनसून पर भी इसका असर पड़ेगा।

पूर्वानुमान करना जल्दबाजी होगी-मौसम विज्ञान विभाग, पुणे के वरिष्ठ वैज्ञानिक डीएस पाई ने कहा कि जैसा कि हमने पहले ही कहा था कि इस साल उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान सामान्य से नीचे रहने की उम्मीद है। उन्होंने इस बार अधिक सर्दी और ज्यादा शीत लहर चलने की संभावना भी व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि आमतौर पर ला नीना भारतीय मानसून की मदद करता है। इसका मतलब यह हुआ कि सामान्य बारिश से ऊपर की उम्मीद, लेकिन फिलहाल

मानसून पूर्वानुमान करना बहुत जल्दी होगी।

तापमान में उतार-चढ़ाव रहेगा

भारतीय मौसम विभाग ने पहले ही उत्तर भारत में रात का तापमान सामान्य से कम रहने और दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना व्यक्त की थी। दिन और रात के तापमान में उतार-चढ़ाव रहने के बारे में भी बताया था। उसने कहा था कि पश्चिमी तट और दक्षिण भारत में सामान्य तापमान न्यूनतम तापमान से अधिक रहेगा। प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में मध्यम ला नीना की स्थिति निर्मित हो रही है। इस बात की संभावना है कि यह स्थिति सर्दियों के अंत तक बनी रह सकती है। वहीं, डब्लूएमओ ने गुरुवार को एक बयान में यह भी कहा कि यह दशक (2011-2020) सबसे गर्म है, लेकिन यह वर्ष भी ला नीना के बावजूद सबसे गर्म रहा। दुनिया के कई हिस्सों में यह पैटर्न अब अपना असर दिखा रहा है।

2016 से सर्दियों पर भविष्यवाणी

मौसम विभाग 2016 से सर्दियों को लेकर भविष्यवाणी कर रहा है। हालांकि यह पहली बार है, जब मौसम एजेंसी ने कड़ाके की सर्दी पड़ने की भविष्यवाणी की है। वहीं, स्काईमेट वेदर के मुख्य मौसम विज्ञानी महेश पलावत ने भी कहा है कि दिल्ली में इस साल नवंबर में करीब एक दशक में सबसे ज्यादा ठंड पड़ी है।

क्या होता है ला नीना प्रभाव

ला नीना प्रशांत महासागर में पानी ठंडा होने से जुड़ी एक प्राकृतिक घटना है। पूर्वी प्रशांत महासागर क्षेत्र के सतह पर निम्न हवा का दबाव होने पर यह स्थिति पैदा होती है। इससे समुद्री सतह का तापमान काफी नीचे चला जाता है, इसका सीधा असर दुनियाभर के तापमान पर होता है और मौसम में फेरबदल होता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संवाद के निहितार्थ

शुक्रवार को किसानों से संवाद तेज करने की कवायद समाधान की दिशा में उठाया गया सकारात्मक कदम है। प्रधानमंत्री ने सीधे संवाद करते हुए न सिर्फ किसानों को साथ लेने की कोशिश की, बल्कि उन्हें सीधे आर्थिक संबल भी प्रदान किया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 18 हजार करोड़ रुपये का सीधे किसानों के खाते में जमा होना आज के समय में खास सांकेतिक मायने रखता है। अरुणाचल प्रदेश के एक किसान गगन से संवाद के बहाने प्रधानमंत्री ने पूछा कि क्या कंपनी सिर्फ आपकी अदरक ले जाती है या साथ में जमीन भी? जाहिर है, गगन ने जवाब दिया कि नहीं, कंपनी जमीन नहीं ले जाती। इसके बाद प्रधानमंत्री ने यह कहते हुए किसानों को आश्वस्त किया कि किसानों की जमीन कोई नहीं छीनेगा। दरअसल, यह फैले भ्रम या विपक्षी राजनीति को जवाब देने की उनकी कोशिश थी। कोई शक नहीं कि सरकार आंदोलनरत किसानों से संवाद के लिए तो तैयार है, लेकिन कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए तैयार नहीं है। प्रधानमंत्री और अन्य कुछ वरिष्ठ मंत्रियों ने शुक्रवार को जिस तरह से किसानों के साथ संवाद किया है, उससे साफ है, सरकार चिंतित है, उसे राजनीतिक नफा-नुकसान का पता है। एक और बात, किसान क्रेडिट का भी प्रचार किया गया है, जिसके तहत किसानों को चार प्रतिशत की ब्याज दर से ऋण मिल रहा है। एक समय था, जब किसानों को 20-20 प्रतिशत की ब्याज दर से ऋण लेना पड़ता था। ऐसा लगता है, सरकार स्वयं को किसानों का हितैषी साबित करने के लिए अपनी तमाम योजनाओं का फिर प्रचार करना चाहती है, और यह अभियान गलत भी नहीं है। नहीं भूलना चाहिए कि हमारी राजनीति में एक धड़ा ऐसा भी है, जो सरकार को किसानों की दुश्मन बताने की कवायद में लगा हुआ है। वह किसानों के लिए की गई अब तक की व्यवस्थाओं को भुला देना चाहता है, इसलिए किसानों के हित में सरकार की सक्रियता स्वाभाविक है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी शुक्रवार को आश्वस्त किया कि एमएसपी की व्यवस्था कभी समाप्त नहीं होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए सुझाव दिया कि नए कृषि कानूनों को एक-दो वर्ष के लिए लागू करके देखा जा सकता है। इस सुझाव पर सरकार अगर वाकई गंभीर है, तो देखना चाहिए कि क्या देश के कुछ राज्यों में यह प्रयोग संभव है? केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने भी किसानों को मनाने की कोशिश की है। लेकिन क्या आंदोलनरत किसान प्रधानमंत्री और मंत्रियों की बातों पर कान देने को तैयार हैं? सिर्फ बातचीत के लिए तैयार दिखना ही पर्याप्त नहीं है, ठोस प्रस्तावों के साथ बैठना महत्वपूर्ण है। लंबे समय तक आंदोलन किसी के लिए भी ठीक नहीं। जहां सरकार को देश के बाकी किसानों तक पहुंचने का हक है, वहीं उस पर आंदोलनरत किसानों तक पहुंचने की महती जिम्मेदारी भी है। केरल और बिहार के किसानों को पंजाब-हरियाणा के किसानों के साथ एक ही तराजू पर नहीं रखा जा सकता। गरीब राज्यों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के 6,000 रुपये का महत्व हो सकता है, पर पंजाब-हरियाणा के किसानों को यह योजना कितनी लुभाती है, यह भी देख लेना चाहिए। सीधे नाराज किसानों के बीच सरकार को जाना होगा, तभी वह आंदोलन को सही तरह से संबोधित कर पाएगी।

राजनीतिक अधोपतन को दर्शाता दलबदल

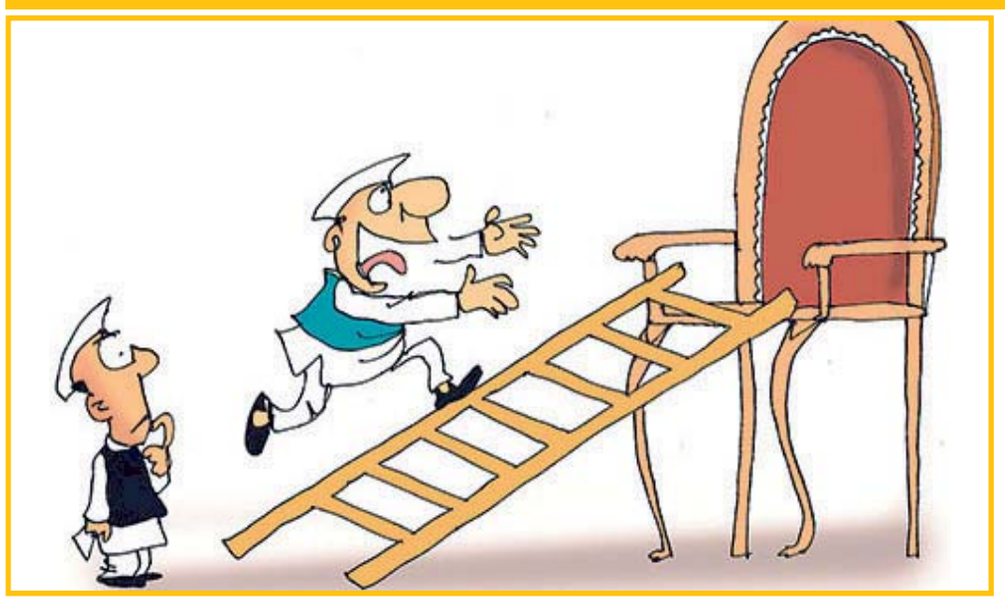

विश्वनाथ सचदेव

आपने भी अखबारों में यह खबर पढ़ी होगी। टीवी के समाचार चैनल तो चटकारे ले-लेकर बंगाल की इस खबर को दिखाते रहे। खबर एक भाजपाई सांसद की पत्नी की दल बदल कर तृणमूल कांग्रेस में जाने की है। यह सांसद भी पहले तृणमूल कांग्रेस में ही थे, पर दल बदल कर भाजपा में चले गये। उनकी पत्नी भी भाजपा में थी, सांसद महोदय खुद स्वीकारते हैं कि पिछले चुनाव में विजय प्राप्त करने में उनकी पत्नी का बड़ा हाथ था। अब वह पत्नी नाराज है, पति से नहीं, भाजपा से। उन्हें शिकायत है कि भाजपा उन्हें वह सम्मान नहीं दे रही, जिसकी वह हकदार है, इसलिए वे ममता दीदी के साथ जा रही हैं-वे पूरी कोशिश करेंगी बंगाल में भाजपा को हराने की। उनके इस निर्णय से पति दुखी हैं, नाराज भी। और उन्होंने घोषणा कर दी है कि वह पत्नी को तलाक दे देंगे। मतलब यह कि सात जन्मों का एक बंधन राजनीति की भेंट चढ़ गया! ज्ञातव्य है कि भाजपा के सांसद सौमित्र खान की पत्नी सुजाता मंडल के भाजपा छोड़ने के एक दिन पहले ही देश के गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के अपने चुनावी दौरे के दौरान तृणमूल कांग्रेस का एक आधार माने जाने वाले सुवेंद्र अधिकारी के साथ दस अन्य प्रमुख तृणमूल तथा कांग्रेसी नेताओं का भाजपा में स्वागत किया था। कहा जा सकता है कि सुवेंद्र आने वाले चुनाव में भाजपा का एक प्रमुख चेहरा बनेंगे। देश के गृहमंत्री का तो यह भी कहना है कि 'यह दलबदल' तो एक शुरुआत है, चुनाव आने तक ममता दीदी अपने दल में अकेली रह जायेंगी। यह उनकी खुशफहमी ही हो सकती है, पर पिछले पांच-सात सालों में इस तरह का दल-बदल एक आम बात हो गयी है। अमित शाह जब भाजपा के अध्यक्ष थे तो उन्होंने 'कांग्रेस-मुक्त' भारत का नारा दिया था। भाजपा की रणनीति और कांग्रेस की अपनी कमजोरी के कारण भाजपा को पिछले दो आम चुनावों में भारी सफलता मिली थी। और अब तो लोग यह कहने लगे हैं कि आज भाजपा कांग्रेस-मुक्त भारत की बजाय कांग्रेसी-मुक्त भारत बनाने में लगी है। दल बदल कोई नयी चीज नहीं है हमारे देश में। इसके खतरों को देखते हुए दलबदल विरोधी कानून भी बने थे हमारे यहां। पर इन कानूनों के बावजूद हमारी राजनीति में दलबदल के दौर आते रहे। एक बार तो हरियाणा में रातों-रात पूरी सरकार ने दल बदल कर लिया था। वैसे, दल बदल अपने आप में कोई अनैतिक काम नहीं है। अनैतिक तो उसे यह तथ्य बना देता है कि ऐसा करने में हमारे राजनेता किसी भी प्रकार की नैतिकता बरतने की आवश्यकता ही नहीं समझते। यह माना गया है कि जनतांत्रिक व्यवस्था में नीतियों के आधार पर राजनीतिक दल बनेंगे और इन दलों में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी। नीतियां तो घोषित होती हैं, उनके अनुसार कार्यक्रम भी बनाये जाते हैं, पर आज सबसे महत्वपूर्ण नीति येन-केन प्रकारेण सत्ता हथियाना बन कर रह गयी है। यह कतई जरूरी नहीं है कि व्यक्ति की विचारधारा कभी बदलेगी ही नहीं, पर अब हमारी राजनीति में विचारधारा के लिए भी कोई स्थान नहीं बचा। यह दुर्भाग्य ही है कि आज राजनीति का आधार और उद्देश्य सत्ता की प्राप्ति ही हो गया है। जो राजनीतिक दल विचारधारा की दुहाई देते हैं, उन्हें भी सत्ता पाने के लिए कुछ भी गलत नहीं लगता। इसी का परिणाम है कि दलबदल आज की राजनीति की एक शर्मनाक सच्चाई बनकर रह गया है। न दलबदल करने वालों को शर्म आती है और न ही दलबदल करवाने वालों को। आज कोई दल किसी विरोधी को भ्रष्टाचारी, निकम्मा वगैरह कह रहा है, और अगले ही दिन राजनीतिक समीकरणों के चलते वह भ्रष्टाचारी उसी राजनीतिक दल के लिए एक बेदाग नेता बन जाता है। पश्चिम बंगाल में दलबदल करने वाले सुवेंद्र अधिकारी इसका ताजा उदाहरण हैं। कल जब वे तृणमूल कांग्रेस में थे तो भाजपा वाले उन्हें कदाचारी कहते नहीं थकते थे; पैसों का लेन-देन करने के आरोप वाला वीडियो भी कभी भाजपा ने प्रसारित किया था लेकिन आज वह वीडियो ही गायब हो गया है। यह एक उदाहरण मात्र है, इस तरह के उदाहरण लगभग हर पार्टी में मिल जाएंगे। वस्तुतः ये उदाहरण हमारे राजनीतिक अधोपतन को ही दिखाते हैं। आज हमारी राजनीति इतनी घटिया हो गयी है कि इस अधोपतन के जिम्मेदारों को किसी भी प्रकार का संकोच नहीं होता। उंगली उठती है, पर दूसरों की तरफ। अपने दामन का दाग कोई देखना नहीं चाहता। मज़े की बात यह भी है कि दागदार दामन हमेशा विरोधी का ही होता है, और यही विरोधी जब 'अपना' बन जाता है तो उसके दाग़ भी धुल जाते हैं। कुछ दिन पहले ही किसी ने भाजपा को कपड़ा धोने की मशीन कहा था, जिसमें डाले जाने के बाद हर तरह का दाग धुल जाता है! सच तो यह है कि हर पार्टी आज एक कपड़ा धोने की मशीन बनी हुई है। कुछ दिन पहले लालू प्रसाद यादव की एक टेलीफोन-वार्ता 'लीक' की गयी थी। इसमें लालू किसी विधायक को अपनी ओर मिलाने की कोशिश करते सुनाई दे रहे हैं। भाजपा ने खूब शोर मचाया था, लालू प्रसाद पर मंत्री पद का लालच देने की बात कही गयी थी। पर जिस तरह से भाजपा ने मध्य प्रदेश में कांग्रेसियों को मंत्री-पद का लालच देकर अपनी सरकार बनायी थी, क्या उसके बारे में बात नहीं होनी चाहिए। सवाल किसी पार्टी विशेष का नहीं है। सवाल उस बेशर्मी का है जो हमारे राजनेताओं को रास आ गयी है। माना कि राजनीति अपने आप में एक गंदा खेल है पर क्या इस गंदगी को साफ करने की कोई कोशिश नहीं होनी चाहिये? क्यों नहीं पूछा जाये देश के नेताओं से कि क्या बिना अनैतिक बने राजनीति नहीं की जा सकती? सत्ता के लिए आखिर कितना गिरेंगे हमारे नेता? जब कांग्रेस का शासन था तब भी दलबदल एक काले साये की तरह हमारे ऊपर मंडरा रहा था और अब जब स्वयं को अलग चाल-चरित्र वाली पार्टी कहने वाली भाजपा शासन में है, तब भी हम चोला बदल कर कुर्सी पाने वालों के जलवे देख रहे हैं। बंगाल में एक पति-पत्नी के 'राजनीतिक मतभेद' चटकारे लेकर सुनाये जा रहे हैं। कतई जरूरी नहीं कि पति और पत्नी की राजनीतिक विचारधारा एक ही हो, पर सत्ता में हिस्सेदारी की लालसा से हुए दलबदल जब तलाक तक की नौबत ले आयें तो यह सोचना जरूरी है कि सिर्फ सत्ता के लिए राजनीतिक चोला बदलने पर अंकुश क्यों नहीं लगना चाहिए? बजाय इसके कि हमारे नेता किसी विरोधी को अपने दल में लाने को तमगे की तरह दिखाते फिरें, राजनीति को थोड़ा साफ-सुथरा करने की कोशिश होनी चाहिए। सत्ता के भूखे ऐसा नहीं होने देंगे, पर मेरा और आपका कर्तव्य बनता है कि हम अपने नेता से पूछें-और कितना गिरोगे? यह भी पूछा जाना ज़रूरी है कि हमारे राजनेताओं के विचार तभी क्यों बदलते हैं, जब 'कुछ' मिलने की उम्मीद होती है?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज के ट्वीट

आभार

ऐसी परिस्थिति में भी देशभर के किसानों ने कृषि सुधारों का भरपूर समर्थन किया है, स्वागत किया है। मैं सभी किसानों का आभार व्यक्त करता हूं। मैं भरोसा दिलाता हूं कि आपके विश्वास पर हम कोई आंच नहीं आने देंगे: -- पीएम

ज्ञान गंगा

कर्मफल

श्रीराम शर्मा आचार्य/ कर्मफल अटल सत्य है। क्रिया की प्रतिक्रिया सुनिश्चित है। जो किया गया है उसका भुगतान आज नहीं तो कल अवश्य ही करना होता है। हां, ऐसा हो सकता है कि कुछ कर्म देर से फल देते हैं और कुछ तत्काल, पर देते अवश्य हैं। शराब, गांजा का सेवन करते ही नशा चढ़ता है। विषपान करते ही मृत्यु हो जाती है। आग को छूते ही उंगलियां जल जाती हैं। बर्फ को छूते ही हाथ ठंडा हो जाता है। कांटे चूभोते ही दर्द होता है। बुरी नजर डालते ही लोगों का कोपभाजन बनना पड़ता है। ये सब तत्काल फल देने वाले हैं। इसी तरह देर वाले भी हैं, जो चिरस्थायी हैं, उनके बढ़ने और प्रौढ़ होने में देर लगती है। जौ बोने के दस दिन में ही उनके अंकुर छः इंच ऊंचे उग आते हैं किन्तु नारियल की गुठली बो देने पर वह एक वर्ष में अंकुर फोड़ती है और वर्षो में धीरे-धीरे बढ़ती है। बरगद का वृक्ष भी देर लगाता है जबकि अरंड का पेड़ कुछ ही महीनों में छाया और फल देने लगता है। हाथी जैसे दीर्घजीवी पशु, गिद्ध जैसे पक्षी, ह्वेल जैसी जलचर अपना बचपन बहुत दिन में पूरा करते हैं। मक्खी, मच्छरों का बचपन और यौवन बहुत जल्दी आता है पर वे मरते भी उतनी ही जल्दी हैं। शारीरिक और मानसिक परिश्रम का, आहार-विहार का, व्यवहार-शिष्टाचार का प्रतिफल हाथोंहाथ मिलता रहता है। उनकी उपलब्धि सामयिक होती है, चिरस्थायी नहीं। स्थायित्व नैतिक कृत्यों में होता है, उनके साथ भाव-संवेदनाएं और आस्थाएं जुड़ी होती हैं। जड़ें अन्तरंग की गहराई में धंसी रहती हैं, इसलिए उनके भले-बुरे प्रतिफल भी देर में मिलते हैं और लंबी अवधि तक ठहरते हैं। इन कर्मो के फलित होने में प्रायः जन्म-जन्मान्तरों जितना समय लग जाता है। भूतकालीन कृत्यों के आधार पर वर्तमान बनता है और वर्तमान का जैसा भी स्वरूप है, उसी के अनुरूप भविष्य बनता चला जाता है। किशोरावस्था में कमाई हुई विद्या और स्वास्थ्य, संपदा जवानी में बलिष्ठता एवं संपन्नता बनकर सामने आती है। यौवन का सदुपयोग-दुरु पयोग बुढ़ापे के जल्दी या देर से आने, देर तक जीने या जल्द मरने के रूप में परिणत होता है। वृद्धावस्था की मनःस्थिति संस्कार बनकर मरणोत्तर जीवन के साथ जाती और पुनर्जन्म के रूप में अपनी परिणति प्रकट करती है।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सियासी मंसूबों की जवाबदेही का सवाल

करण सिंह दलाल

कोरोना महामारी के बीच आनन-फानन में तीन कृषि सुधार कानून लागू करने पर केंद्र की मंशा पर सवाल उठे हैं। ये कानून किसानों के बजाय कॉरपोरेट मालिकों के हित में होने का आरोप किसान संगठन लगाते रहे हैं। खासकर पंजाब व हरियाणा के किसान इन कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। दो महीने तक पंजाब में रेल रोको आन्दोलन चला कर दिल्ली कूच के प्रोग्राम के तहत देश की राजधानी की सरहदों पर कंपकपाती ठंड में पिछले चार हफ्तों से किसान धरने पर बैठे हैं। इन किसानों को लेकर तरह-तरह के आक्षेप भी लगाए गये। इसी बीच हरियाणा सरकार व भाजपा ने मुद्दे से ध्यान हटाने के लिये एसवाईएल मुद्दे का राग अलापा है। जबकि असलियत यह है कि राजनीतिक संकीर्णताओं के चलते ही समस्या का समाधान नहीं निकला। एसवाईएल नहर का निर्माण व रावी-ब्यास नदियों के पानी में हरियाणा का हिस्सा, ये दोनों अलग-अलग मुद्दे हैं। राजीव गांधी ने पंजाब के आतंकवाद का राजनैतिक समाधान निकालने के लिए अकाली दल (लोंगोवाल) के अध्यक्ष संत हरचंद सिंह लोंगोवाल के साथ 24 जुलाई 1985 को पंजाब समझौता किया था, जिसमें राजधानी व भाषाई विवादों के साथ-साथ जल विवाद के समाधान का प्रावधान था। इस समझौते में जल विवाद के बारे में अनुच्छेद तीन में प्रावधान थे। पहला यह कि 1 जुलाई 1985 को विभिन्न राज्यों द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा पानी सरंक्षित होगा। दूसरा, रावी-ब्यास के फालतू पानी के बंटवारे का फैसला एक ट्रिब्यूनल करेगा और तीसरा पंजाब सरकार 15 अगस्त 1986 तक एसवाईएल नहर का निर्माण करेगी। इस समझौते के खिलाफ हरियाणा में चौ. देवीलाल व डा. मंगल सेन के नेतृत्व में संघर्ष समिति गठित कर न्याय युद्ध के नाम से आंदोलन छेड़ दिया । आंदोलन की वजह से एसवाईएल नहर का निर्माण कार्य अधर में लटक गया। हैरानी की बात है कि उसी राजीव-लोंगोवाल अवार्ड को चौ. देवी लाल की पार्टी, उनका परिवार और भाजपा लागू करने की मांग कर रहे हैं। पहले उन्हें हरियाणा के लोगों से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि यदि वह 1986 में न्याय युद्ध आन्दोलन न चलाते तो एसवाईएल नहर का निर्माण उसी समय पूरा हो गया होता। सुरजीत सिंह बरनाला की सरकार की मार्च 1987 में बर्खास्तगी तक नहर का लगभग 90 प्रतिशत निर्माण उन्होंने करवा दिया था। वर्ष 1996 में हरियाणा सरकार ने उच्चतम न्यायालय में नहर बनवाने का आदेश देने का मुकदमा दायर किया, जिसका फैसला 15 जनवरी 2002 को आया। जिसके पैरा 14 में माननीय न्यायालय ने रावी-ब्यास ट्रिब्यूनल पर बड़ी तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार ट्रिब्यूनल के खाली पदों पर नियुक्ति करके अवार्ड को फाइनल नहीं करवा रही है । आज तक भी उनके बाद आने वाले किसी मुख्यमंत्री ने भारत सरकार को ट्रिब्यूनल में नियुक्ति के बारे कोई पत्राचार नहीं किया और वह ट्रिब्यूनल आज भी अस्तित्व में है। जिसके कार्यकाल को हर बार एक साल बढ़ाते हैं और जिसे फिर 20 अगस्त 2020 को बढ़ाया गया। रावी-ब्यास व एसवाईएल नहर विवाद के उचित समाधान के इतिहास में तीन मौके आए। पहला 1977 में जब पंजाब व हरियाणा में आपातकाल के बाद प्रकाश सिंह बादल व देवी लाल जनप्रिय नेता के तौर पर मुख्यमंत्री बने। उस समय केन्द्र में भी जनता पार्टी की सरकार थी। तब न तो पंजाब में आतंकवाद था और न ही कोई विरोध करने वाला था, परंतु इन्होंने मामला सुलझाने की बजाय और उलझा दिया। दूसरा मौका 1985 में आया जब राजीव-लोंगोवाल समझौता हुआ। अगर देवीलाल व भाजपा न्याय युद्ध आंदोलन न छेड़ते तो नहर भी बन जाती और पानी का बंटवारा भी हो जाता। तीसरा मौका वर्ष 2002 में आया जब सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया। उस समय हरियाणा में ओपी चौटाला की भाजपा के समर्थन से सरकार थी और केन्द्र में एनडीए की सरकार, जिसका चौटाला की पार्टी समर्थन कर रही थी। तीनों ही बार समाधान में रोड़ा अटकाया। चौथा मौका फिर आया जब सुप्रीम कोर्ट ने मामले को सुलझाने में गम्भीरता दिखाई और केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक पूर्ण बहुमत की सरकार है, परंतु हरियाणा में वही पुरानी जोड़ी नये रूप में शासन पर विराजमान है। ऐसे में हरियाणा के मुख्यमंत्री व उनकी पार्टी को चाहिए कि वे नारनौल में जल अधिकार रैली व जिला मुख्यालयों पर एसवाईएल के पानी के लिए धरने व उपवास को तार्किक परिणति तक पहुंचाकर रावी-ब्यास ट्रिब्यूनल में जल के बंटवारे का फाइनल अवार्ड घोषित करवाकर उसको अधिसूचित करवाएं ।

टेक स्टार्टअप डिजिबॉक्स की तीन साल में 5,000 इंजीनियरों की भर्ती की योजना

नयी दिल्ली, ऑनलाइन फाइल स्टोरेज और शेयरिंग सेवा मुहैया कराने वाले स्टार्टअप डिजिबॉक्स ने कहा है कि वह अगले तीन वर्षों में 5,000 इंजीनियरों की भर्ती करने की योजना बना रही है। इसके साथ ही कंपनी ने अगले तीन वर्षों में एक करोड़ उपयोगकर्ता बनाने का लक्ष्य तय किया है। डिजिबॉक्स द्वारा की एक विज्ञप्ति में सीईओ अर्नब मित्रा के हवाले से कहा गया है कि ''हम अगले तीन वर्षों में 5,000 इंजीनियरों को नियुक्त करने की योजना बना रहे हैं।'' डिजिबॉक्स ने मुफ्त ऑनलाइन स्टोरेज के रूप में 20 जीबी तक डेटा देने की पेशकश की है, जिसमें कोई उपयोगकर्ता दो जीबी तक आकार की फाइल को स्टोर कर सकता है या किसी के साथ साझा कर सकता है। कंपनी की भुगतान आधारित सेवाएं 30 रुपये से शुरू होती हैं। हाल में नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने एक वर्चुअल कार्यक्रम में डिजिबॉक्स सेवा की शुरुआत की थी, और खुद को कंपनी की सेवा के पहले उपयोगकर्ता के रूप में पंजीकृत किया था। डिजी बाक्स में पहला खाता सीईओ अमिताभ कांत ने बनाया। डिजी बाक्स के चेयरमैन विवेक सुचांती ने कहा है, ' हम सरकार के मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर अभियान को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। डीजी बाक्स के का दवा है कि यह एक स्मार्ट और पूरी तरह से भारतीय डिजिटल फाइल स्टोरेज प्लेटफार्म है जो बहुत तेज होने के साथ सुरक्षित व सरल है।

सैमसंग गैलेक्सी ए72 4जी में जुड़ेगा स्नैपड्रैगन 720जी प्रोसेसर

नई दिल्ली। सैमसंग को लेकर उम्मीद की जा रही है कि यह अपने गैलेक्सी ए72 स्मार्टफोन को अगले साल की शुरुआत में पेश कर सकता है और अब सामने आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसे 8जीबी रैम के साथ ओक्टा-कोर क्वॉलकम स्नैपड्रैगन 720जी प्रोसेसर के साथ पेश किया जाएगा। जीएसएम एरिना की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके एसएम-ए725एफ और एसएम-ए726बी मॉड को क्रमशः 4जी और 5जी संस्करण के साथ मार्केट में लाया जाएगा। परफॉर्मेंस यूनिट के साथ गैलेक्सी ए72 4जी गीकबेंच 5एस के सिंगल कोर और मल्टी-कोर टेस्ट में 549 और 1637 स्कोर करने में सफल रहा है। यह डिवाइस वन यूजर इंटरफेस (यूआई) आधारित एंड्रॉयड 11 पर भी बूट करेगा।

गूगल अगले साल शामिल करने जा रहा चार स्टेडिया प्रो गेम्स

सैन फ्रांसिस्को। गूगल के गेम स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म स्टेडिया में अगले साल जनवरी में स्टेडिया प्रो के एक हिस्से के तौर पर इसके कलेक्शन में चार नए गेम्स शामिल किए जाएंगे। 9 टू 5 गूगल की रिपोर्ट के मुताबिक, इन गेम्स में ऐरी एंड सीक्रेट ऑफ सीजन्स, फिगमेंट, एफ1 2020 और हॉटलाइन मियामी शामिल होंगे। फिगमेंट की कीमत 19.99 डॉलर यानि कि 1470.68 रुपये है, हालांकि इस पर अभी डिसकांउट है, जिसके चलते इसकी कीमत 11.99 डॉलर यानि कि 882.12 रुपये है। इस श्रेणी में एफ1 2020 की कीमत सबसे अधिक यानि कि 59.99 डॉलर है, जो कि भारतीय मुद्रा के हिसाब से 4413.52 बैठती है। हालांकि यह अभी 29.99 डॉलर या 2206.39 रुपये में उपलब्ध है।

2030 में भारत करेगा कमाल, बनेगा विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश: रिपोर्ट

बिजनेस डेस्क।

भारत 2025 तक ब्रिटेन को पछाड़ कर फिर दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और 2030 तक तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित 2020 में भारतीय अर्थव्यवस्था एक पायदान नीचे खिसक कर छठे स्थान पर आ गयी है। भारत 2019 में ब्रिटेन से ऊपर निकल कर पाचवे स्थान पर पहुंच गया था।

2024 तक आगे बना रहेगा ब्रिटेन

ब्रिटेन के प्रमुख आर्थिक अनुसंधान संस्थान सेंसटर फार इकोनॉमिक एंड बिजनस रिसर्च (सीईबीआर) की वार्षिक रपट में कहा गया कि भारत महामारी के असर से रास्ते में थोड़ा लड़खड़ा गया है। इसी का परिणाम है कि भारत 2019 में ब्रिटेन से आगे निकलने के बाद इस साल ब्रिटेन से पीछे हो गया है। ब्रिटेन 2024 तक आगे बना रहेगा और उसके बाद भारत आगे निकल जाएगा। ऐसा लगता है कि रुपये के कमजोर होने से 2020 में ब्रिटेन इस लिए पुनः भारत से ऊपर आ गया ।

2021 में भारत की वृद्धि 9 प्रतिशत रहेगी

रपट में अनुमान है कि 2021 में भारत की वृद्धि 9 प्रतिशत और 2022 में 7 प्रतिशत रहेगी। सीईबीआर का कहना है कि 'यह स्वाभाविक है कि भारत जैसे जैसे आर्थिक रूप से अधिक विकसित होगा, देश की वृद्धि दर धीमी पड़ेगी और 2035 तक यह 5.8 प्रतिशत पर आ जाएगी। आर्थिक वृद्धि की इस अनुमानित दिशा के अनुसार अर्थव्यवस्था के आकार में भारत 2025 में ब्रिटेन से ,2027 में जर्मनी से और 2030 में जापान से आगे निकल जाएगा।

2028 में चीन विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएगा

संस्थान का अनुमान है कि चीन 2028 में अमेरिका से ऊपर निकल कर विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएगा। संस्थान ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की गति कोविड19 से पहले ही मंद पड़ने लगी थी।

डिजिटल मोड का प्रयोग करने वाले गोल्ड बॉन्ड योजना के ग्राहकों को मिलेगी छूट : सरकार

नई दिल्ली। सरकार डिजिटल मोड का उपयोग करके ऑनलाइन आवेदन करने वाले निवेशकों को अपनी आगामी गोल्ड बॉन्ड योजना में छूट देगी। इसी क्रम में, केंद्र, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श के साथ ही सदस्यता के लिए डिजिटल माध्यम का उपयोग करने वाले निवेशकों को इश्यू प्राइस से 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट देगा। 28 दिसंबर को खुलने वाली स्कीम में बॉन्ड का इश्यू प्राइस 5,000 रुपये प्रति ग्राम है। लेकिन छूट पाने वाले निवेशकों को 4,950 रुपये में बॉन्ड की सदस्यता लेने की अनुमति होगी।

मुकेश अंबानी की एक और बड़ी डील, अमेरिका की इस कंपनी में 50 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी रिलायंस

बिजनेस डेस्क। कोरोना कॉल के दौरान देश की सबसे बड़ी कंपनियों में शुमार रिलायंस कंपनी की डील एक अमेरिकी कंपनी की हिस्सेदारी खरीदने की दिशा में आगे बढ़ रही है। अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने खेल प्रबंधन संयुक्त उद्यम में आईएमजी वर्ल्डवाइड एलएलसी की हिस्सेदारी का 52.08 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने की घोषणा की है। बाजार मूल्यांकन के हिसाब से देश की सबसे बड़ी कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि वह आईएमजी-रिलायंस लि. (आईएमजी-आर) में आईएमजी वर्ल्डवाइड की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण 52.08 करोड़ रुपये के नकद सौदे में करेगी। यह सौदा पूरा होने के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज कंपनी की ब्रांडिंग नए सिरे से करेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अंतरराष्ट्रीय खेल विपणन एवं प्रबंधन कंपनी आईएमजी वर्ल्डवाइड के साथ 2010 में समान भागीदारी वाला संयुक्त उद्यम बनाया था। यह संयुक्त उद्यम देश में खेल और मनोरंजन के विपणन और प्रबंधन के लिए था। आईएमजी खेल, फैशन, आयोजन और मीडिया क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है। इसका परिचालन 30 से अधिक देशों में है। यह एंडेवर नेटवर्क का हिस्सा है। सूचना में कहा गया है कि कंपनी ने आईएमजी-आर में आईएमजी सिंगापुर पीटीई लि. के शेयरों के अधिग्रहण के लिए पक्का करार किया है। यह सौदा अधिकतम 52.08 करोड़ रुपये में होगा।

ईपीएफओ को 2021 में असंगठित क्षेत्र को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने को करने होंगे भगीरथ प्रयास

नई दिल्ली :

असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले 40 करोड़ से अधिक कामगारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना, मौजूदा योजनाओं को नए स्वरूप में ढालना और नई नियुक्तियों में तेजी लाना जैसे कुछ मुद्दे हैं जो कि सेवानिवृति लाभ उपलब्ध कराने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के समक्ष 2021 में चुनौती बनकर खड़े होंगे। ईपीएफओ वर्तमान में संगठित क्षेत्र के छह करोड़ से अधिक कर्मचारियों को भविष्य निधि कोष और कर्मचारी पेंशन योजना के तहत सामाजिक सुरक्षा का लाभ उपलब्ध कराता है। नए साल में संगठन को सरकार की महत्वकांक्षी आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (एबीआरवाई) को लागू करने पर ध्यान देते हुए सेवाओं की सुपुर्दगी में सुधार लाने के लिए भगीरथ प्रयास करने होंगे। सामाजिक सुरक्षा संहिता के अगले साल एक अप्रैल से लागू होने की उम्मीद है। ऐसे में ईपीएफओ को अपनी योजनाओं और सेवाओं को नए माहौल के अनुरूप ढालना होगा क्योंकि इससे असंगठित क्षेत्र के कामगार भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ जाएंगे। देश में 40 करोड़ से ज्यादा असंगठित क्षेत्र के कामगार हैं जो कि किसी प्रतिष्ठान अथवा कंपनी के वेतन रजिस्टर में नहीं आते हैं और उन्हें भविष्य निधि और ग्रेच्युटी जैसे लाभ प्राप्त नहीं हैं। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के पूर्व महासचिव ब्रिजेश उपाध्याय ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा संहिता के अमल में आने पर ईपीएफओ के समक्ष 2021 में नई चुनौतियां सामने आएंगी। उन्होंने कहा, ''असंगठित क्षेत्र के कामगारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए अपनी योजनाओं और नेटवर्क का दायरा बढ़ाना होगा। इन कर्मचारियों को संहिता के तहत सामाजिक सुरक्षा लाभ उपलब्ध होंगे।'' उपाध्याय ईपीएफओ ट्रस्ट में ट्रस्टी भी हैं। उनका कहना है कि असंगठित क्षेत्र के कामगारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए ईपीएफओ को अपनी योजनाओं और सेवाओं को नया रूप देना होगा। इससे पहले यह सवाल उठाया गया था कि असंगठित क्षेत्र के मामले में भविष्य निधि जैसी सामाजिक सुरक्षा योजना में नियोक्ता के हिस्से का योगदान कौन करेगा। अब यह कहा गया है कि यह हिस्सा या तो सरकार की तरफ से दिया जाएगा अथवा असंगठित क्षेत्र के कामगार ऐसी योजनाओं में शामिल हो सकते हैं जिनमें केवल उनकी तरफ से ही योगदान किया जाएगा। श्रम सचिव अपूर्व चंद्र ने कहा, ''2021 में ईपीएफओ का मुख्य ध्यान आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (एबीआरवाई) पर होगा जिसके तहत नई नियुक्तियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।'' अपूर्व चंद्र ईपीएफओ के शीर्ष निकाय सेंट्रल बोर्ड आफ ट्रस्टी के उपाध्यक्ष भी हैं। चंद्रा ने कहा, ''सेवाओं की डिलीवरी के लिए अन्य प्रयास भी जारी रहेंगे लेकिन मुख्य ध्यान एबीआरवाई के तहत रोजगार सृजन पर होगा।%% इस माह की शुरुआत में केन्द्र सरकार ने एबीआरवाई को मंजूरी दी। इस योजना का मकसद आत्मनिर्भर भारत पैकेज 3.0 के तहत औपचारिक क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देना है। योजना के तहत 2020 से 2023 के बीच 22,810 करोड़ रुपए जारी किए जाएंगे।

चालू वित्त वर्ष के दौरान इसमें कुल 1,584 करोड़ रुपए जारी किए जाएंगे। एबीआरवाई योजना के तहत एक अक्टूबर 2020 से लेकर 30 जून 2021 की अवधि में काम पर रखे जाने वाले नए कर्मचारियों के लिए सरकार भविष्य निधि में उनके कर्मचारी और नियोक्ता दोनों की तरफ से दिए जाने वाले 12 प्रतिशत योगदान का भुगतान करेगी। 24 प्रतिशत की यह कुल राशि कर्मचारी भविष्य निधि कोष में दो साल तक सरकार जमा करायेगी। यह योजना उन प्रतिष्ठानों में लागू होगी जिनमें एक हजार तक लोग काम करते हैं।

ऐसे संस्थानों जहां 1,000 से अधिक

कोयला खनन में निजी क्षेत्र का प्रवेश, कोल इंडिया की नए क्षेत्रों में कदम रखने की तैयारी

नई दिल्ली :

कोयला क्षेत्र में वर्ष 2020 महत्वपूर्ण बदलाव का साक्षी रहा। नीतिगत सुधारों के तहत इस वर्ष एक ओर जहां निजी क्षेत्र को वाणिज्यिक कोयला उत्खनन में प्रवेश देने के लिए कोयला ब्लॉकों की पहली नीलामी हुई। वहीं इस क्षेत्र में फिलहाल एकाधिकार रखने वाली कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 2021 में कोयला खनन के अलावा अन्य कारोबारों में दाखिल होने की तरफ कदम बढ़ाया। कोरोना वायरस महामारी संकट और इससे निपटने के लिए लोगों को घर से निकलने पर कड़ी सार्वजनिक रोक से कोयला बाजार में मांग वर्ष के दौरान नरम रही।

19 कोयला प्रखंडों की नीलामी

सरकार ने इस दौरान कोयला उत्खनन और विपणन में निजी कंपनियों को प्रवेश देने के लिए 19 कोयला प्रखंडों की नीलामी की। वर्ष 2020 में देश में कोयले की मांग पिछले वर्ष से पांच प्रतिशत कम रहने का अनुमान है। विश्लेषकों का अनुमान है कि 2021 में इस क्षेत्र में मांग की कमजोरी की चुनौती बनी रहेगी। बाजार में भविष्य में प्रतिस्पर्धा की स्थिति और स्वच्छ ऊर्जा पर जोर के बीच सरकारी कंपनी सीआईएल कारोबार के विविधीकरण की तैयारी में है। कोयला सचिव अनिल कुमार जैन ने कहा, '2021 में हमारा प्रयास होगा कि कोल इंडिया (सीआईएल) कोयला उत्खनन के अलावा दूसरे प्रकार के कारोबार में भी जाए। यह (सीआईएल) कोयला उत्खनन के इतर दूसरे क्षेत्रों में बड़ा निवेश करेगी। इससे कंपनी को खनिज ईंधन के कारोबार की दुनिया से निकलने की तैयारी का अच्छा अवसर मिलेगा।

69,000 से अधिक लोगों को मिलेगी नौकरी

जैन ने कहा कि कोल इंडिया नवीकरणीय ऊर्जा, एल्युमीनियम और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निवेश करने वाली है। उन्होंने कहा कि सीआईएल ने ढाई लाख करोड़ रुपये की निवेश योजनाएं तैयार कर रखी है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी और नए क्षेत्र में जाएगा। जैन ने 2020 में निजी क्षेत्र को कोयले के वाणिज्यक उत्खनन के लिए कोयला प्रखंडों की नीलामी को 2020 की बड़ी उपलब्धि बताया। इसके लिए जोरदार होड़ लगी। उन्होंने कहा कि इन 19 कोयला प्रखंडों के चालू होने पर इनसे हर साल सरकार को 7,000 करोड़ रुपये राजस्व मिलने का अनुमान है। साथ ही 69,000 से अधिक लोगों को नौकरी भी मिलेगी। वैसे सरकार ने कुल 38 प्रखंड निजी क्षेत्र को नीलाम करने के लिए अधिसूचित किए थे। 23 प्रखंडों के लिए कुल 42 कंपनियों ने बोली में हिस्सा लिया। इनमें 40 निजी क्षेत्र की थीं। इन प्रखंडों के लिए कुल 76 बोलियां प्राप्त हुई थीं। कुछ प्रखंड निजी क्षेत्र में अडाणी, वेदांता, हिंडालको और जिंदल (जिंदल पावर) समूहों की कंपनियों को गए हैं।

बढ़ेगी कोयले की खपत

कोयले वाणिज्यक उत्खनन में निजी उद्यमियों को प्रवेश देने के लिए कानून में संशोधन किया गया है तथा सरकार ने कारोबार सुगमता और पर्यावरण संरक्षण के नए प्रावधान किए हैं। खनिज कारोबार अनुमति नियमावली 1960 में संशोधन की जरूरत को भी पूरा किया गया। कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि कंपनी इस वित्त वर्ष में 65-66 करोड़ टन कोयला उत्पादन कर रही है। नवंबर तक 33.4 करोड़ टन उत्पादन हुआ था। कोयला सचिव जैन ने 2021 की संभावनाओं के बारे में कहा कि कोयला बाजार के लिए नया वर्ष अर्थव्यवस्था की समग्र स्थिति पर निर्भर करेगा। कोयले का उपभोग 2018 की तुलना में 2020 में सात प्रतिशत यानी 50 करोड़ टन घटने का अनुमान हे। 2019 में वैश्विक मांग 1.8 प्रतिशत घटी थी। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस का अनुमान है कि 2021 में भारत और चीन सहित एशिया के प्रमुख देशों में कोयले की मांग में सुधार होगा। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का कहना है कि 2025 तक भारत में कोयले की खपत बढने की सबसे अधिक संभावना है। उसके अनुसार देश में इस्पात , बिजली और सीमेंट की मांग बढने से कोयले की मांग बढ़ेगी। अनुमान है कि 2021 में कोल इंडिया का उत्पादन में 3.8 प्रतिशत बढ़ेगा।

कैट ने वित्त मंत्री से जीएसटी में नियम 86-बी के कार्यान्वयन को रोकने का अनुरोध किया

नई दिल्ली।

व्यापारियों के संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया (कैट) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मांग की है कि एक जनवरी, 2021 को लागू होने वाले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में नियम 86-बी के कार्यान्वयन को स्थगित करने का आग्रह किया है। शुक्रवार को वित्त मंत्री को लिखे पत्र में व्यापारियों के निकाय ने अपनी चिंता जाहिर की है। दरअसल इस नियम के तहत हर महीने 50 लाख से अधिक के टर्नओवर वाले कारोबारियों को जीएसटी देनदारी का कम से कम एक प्रतिशत नकद में जमा कराने का प्रावधान किया गया है, जिस पर व्यापारियों के संगठन को आपत्ति है। कैट ने इस प्रावधान को उत्पादकता को बुरी तरह प्रभावित करने वाला बताया है। संगठन ने कहा है कि इस कदम से व्यापारियों पर अधिक वित्तीय दायित्व का बोझ पड़ेगा। व्यापारिक संगठन ने वित्त मंत्री से नियम 86-बी को लागू करने के फैसले को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का अनुरोध किया है, जिसे अगले साल एक जनवरी से लागू किया जाना है। इसके अलावा कैट ने वित्त मंत्री से जीएसटी फाइल करने और इनकम टैक्स ऑडिट रिटर्न की समयसीमा 31 दिसंबर 2020 से बढ़ाकर 31 मार्च 2021 किए जाने की मांग की है। कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि किसी भी कर कानून को वर्ष के बीच की अवधि के दौरान बार-बार संशोधित करने के बजाय वित्तीय वर्ष की शुरूआत से ही लागू किया जाना चाहिए।

बेनक्यू ने भारत में एंटरटेनमेंट मॉनिटर लॉन्च किए

नई दिल्ली।

ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी बेनक्यू ने 29,999 रुपये की शुरूआती कीमत पर भारतीय बाजार में दो नए आई-केयर एंटरटेनमेंट मॉनिटर लॉन्च किए हैं।

ईडब्ल्यू3280यू (32 इंच) और ईडब्ल्यू2780क्यू (27 इंच) के यह मॉनिटर उन्नत एचडीआरआई तकनीक के साथ पेश किए गए हैं। इनमें ट्रीवोलो टीम की ओर से विशेष रूप से निर्मित स्पीकर दिए गए हैं। इसके अलावा मॉनिटर में ब्राइटनेस और कलर टेम्प्रेचर-सेंसिंग ब्राइटनेस इंटेलिजेंस प्लस जैसे शानदार फीचर्स भी दिए गए हैं। बेनक्यू इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव सिंह ने कहा, जीवन के लिए आनंद और गुणवत्ता लाने के हमारे प्रयास के अनुरूप, इन नए मॉनिटरों को आंखों की कम थकान के साथ शानदार इमेज क्वालिटी, स्पष्ट ध्वनि और विश्वसनीय प्रदर्शन के लिए बनाया गया है। उपयोगकर्ता एक ही डिवाइस में सभी प्रकार की सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं, जिससे ये बेनक्यू मॉनिटर्स फिल्म, संगीत वीडियो और किसी भी सामग्री को देखने के लिए एक शानदार विकल्प बन जाते हैं, जिसमें प्रभावशाली ध्वनि और चित्र की गुणवत्ता (पिक्चर क्वालिटी) महत्वपूर्ण है। कंपनी के अनुसार, मॉनिटर के जरिए फिल्मों और संगीत वीडियो को देखने का अनुभव काफी शानदार होगा, क्योंकि इसमें विस्तृत रंग सरगम (वाइड कलर गैमट) की सुविधा प्रदान की गई है। कंपनी का दावा है कि ये मॉनिटर नेत्र-देखभाल सुविधा (आई-केयर फीचर) के माध्यम से आंखों के स्वास्थ्य को भी नुकसान नहीं पहुंचाते और असाधारण ऑडियो-विजुअल का अनुभव प्रदान करते हैं।

अपनी कमाई से परिचालन खर्च पूरा करेगा रेलवे

नई दिल्ली। भले ही कोरोनावायरस के कारण लगाए गए राष्ट्रव्यापी बंद की वजह से रेलवे को अपनी सभी यात्री ट्रेन, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन को बंद करना पड़ा हो, मगर रेलवे अपनी आय से परिचालन व्यय को पूरा करेगा। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष वी.के. यादव ने शनिवार को यह बात कही। रेलवे को 2020 में यात्री राजस्व में पिछले वर्ष की तुलना में 87 प्रतिशत नुकसान हुआ है। कोरोना महामारी के बीच रेलवे को हुए नुकसान के संबंध में बात करते हुए यादव ने यह टिप्पणी की। यादव ने यहां साल के अंत में एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि कई व्यय नियंत्रण उपायों और माल ढुलाई से होने वाली कमाई से यात्री खंड को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, कोविड महामारी के कारण भारतीय रेलवे को अब तक यात्री राजस्व में 87 प्रतिशत की कमी झेलनी पड़ी है, जो पिछले साल के 53,000 करोड़ रुपये से घटकर सिर्फ 4,600 करोड़ रुपये रह गई है। यादव ने कहा कि रेलवे को माल ढुलाई के राजस्व में वृद्धि की उम्मीद है। उन्होंने खाद्यान्न और उर्वरकों जैसे गैर-पारंपरिक वस्तुओं की ढुलाई के जरिए भरपाई करने की उम्मीद जताई है। यादव ने कहा, रेलवे ने पिछले साल की तुलना में अब तक 12 प्रतिशत कम खर्च किया है। हमने अपने खर्च को नियंत्रित कर लिया है और चूंकि कुछ ट्रेनें नहीं चल रही हैं, इसलिए हम ईंधन और इन्वेंट्री पर बचत कर रहे हैं। कोविड-19 के बावजूद, हम अपने राजस्व से अपने परिचालन व्यय को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा, हमने पिछले साल के माल ढुलाई और माल ढुलाई राजस्व दोनों को पार कर लिया है। इसलिए इस साल का राजस्व माल ढुलाई से पिछले साल की तुलना में अधिक होगा। यादव ने कहा कि इस साल राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर की सबसे बड़ी उपलब्धियां यह रही हैं कि वह आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को बनाए रखने में कामयाब रहा है। उन्होंने कहा कि श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से 63 लाख से अधिक प्रवासी कामगारों को उनके घर भेजा गया। बुलेट ट्रेन परियोजना के रूप में लोकप्रिय 508 किलोमीटर लंबी मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल का विवरण देते हुए, यादव ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने रेलवे को आश्वासन दिया है कि अगले चार महीनों में बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए बाकी जमीन दी जाएगी।

दिल्ली, असम में 100 करोड़ की आय से अधिक संपत्ति मामले का खुलासा

नई दिल्ली।

आयकर विभाग ने उत्तर-पूर्वी भारत के तीन प्रमुख ठेकेदारों के खिलाफ सर्च और सर्वे की कार्रवाई की, जिससे अब तक लगभग 100 करोड़ रुपये की अघोषित आय का खुलासा हुआ है। इनमें से एक समूह हॉस्पिटैलिटी बिजनेस में है। तलाशी दिल्ली और असम के गुवाहाटी, सिलापाथर और पाठसाला में 14 स्थानों पर की गई। तीनों समूहों पर इस गतिविधि में असुरक्षित ऋण और कोलकाता स्थित शेल कंपनियों के प्रयोग का आरोप है। विभाग ने एक बयान में कहा कि तीनों समूहों ने कथित तौर पर शुद्ध लाभ को भी छुपाया और गुवाहाटी और कोलकाता से बाहर इंट्री ऑपरेटरों के माध्यम से व्यापार में बेहिसाब कमाई की। तलाशी के दौरान, यह पता चला कि जिन शेल कंपनियों से ऋण/प्रीमियम लिया गया था, वे केवल कागज पर मौजूद थे और उनका कोई वास्तविक व्यवसाय नहीं था। पूछताछ करने पर इंट्री ऑपरेटरों ने स्वीकार किया कि शेल कंपनियों से समूहों के लिए असुरक्षित ऋण / शेयर प्रीमियम वास्तविक नहीं थे। अब तक, 9.79 लाख रुपये के गहने और 2.95 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए हैं। 2 करोड़ रुपये से अधिक के शेष आभूषणों के अधिग्रहण के स्त्रोतों का अभी सत्यापन होना बाकी है। विभाग ने कहा कि सर्च और सर्वे अभियान के दौरान अब तक लगभग 100 करोड़ रुपये की अघोषित आय का खुलासा हुआ है। एक लॉकर भी मिला है, जिसे खोला जाना बाकी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

» बॉक्सिंग डे टेस्ट : दूसरे टेस्ट के पहले दिन भारत ने ऑस्ट्रेलिया को किया 195 पर ढेर....

रहाणे की कुशल कप्तानी और गेंदबाजों ने भारत को दिलाई अच्छी शुरूआत

मेलबर्न। (एजेंसी)।

पहले टेस्ट की हार को भुलाते हुए भारत ने अजिंक्य रहाणे की कुशल कप्तानी, जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन की शानदार गेंदबाजी के दम पर वापसी करते हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन शनिवार को आस्ट्रेलिया को पहली पारी में 195 रन पर आउट कर दिया। भारत ने जवाब में 11 ओवर में एक विकेट पर 36 रन बना लिये थे। एकमात्र विकेट सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल के रूप में गिरा जो खाता खोले बिना मिशेल स्टार्क की गेंद पर आउट हो गए। अपना पहला टेस्ट खेल रहे शुभमन गिल ने हालांकि आस्ट्रेलिया के खतरनाक तेज आक्रमण का बखूबी सामना करते हुए 28 रन बना लिये हैं।

उनके साथ चेतेश्वर पुजारा सात रन बनाकर क्रीज पर हैं। पहले दिन का खेल भारतीय गेंदबाजी ईकाई के नाम रहा लेकिन कार्यवाहक कप्तान रहाणे को भी अपने संसाधनों का चतुराई से उपयोग करने के लिये श्रेय मिलना चाहिये। आस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 72 . 3 ओवर में आउट हो गई। बुमराह ने 16 ओवर में 56 रन देकर चार और अश्विन ने 24 ओवर में 35 रन देकर तीन विकेट लिया। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर रहे मोहम्मद सिराज ने 15 ओवर में 40 रन देकर दो विकेट चटकाये। उन्होंने चयनकर्ताओं के भरोसे पर खरा उतरते हुए मार्नस लाबुशेन (48) और कैमरन ग्रीन (12) को पवेलियन भेजा। इस श्रृंखला में जबर्दस्त फॉर्म में दिख रहे अश्विन ने आस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को खाता खोले बिना ही रवाना कर दिया।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी का आस्ट्रेलिया का फैसला गलत साबित होता दिखा और भारतीय गेंदबाजों ने उसका पूरा फायदा उठाया। नियमित कप्तान विराट कोहली की गैर मौजूदगी में भी भारतीय टीम काफी चुस्त नजर आई। कुछ बेहतरीन कैच लपके गए और खिलाड़ियों में जोश की कमी नहीं थी। रहाणे ने पहले ही घंटे में अश्विन को गेंद सौंपकर अच्छा फैसला लिया जिन्होंने जो बर्न्स (0) को ऋषभ पंत के हाथों विकेट के पीछे लपकवाया। अपनी रफ्तार और विविधता के साथ अश्विन को विकेट से टर्न और उछाल भी मिला। उन्होंने मैथ्यू वेड को ऊंचा शॉट खेलने पर मजबूर किया और रविंद्र जडेजा ने पीछे की ओर दौड़ते हुए शानदार कैच लपका। वहीं स्मिथ लेग गली में पुजारा को कैच देकर लौटे। रहाणे ने सिराज को लंच से पहले एक भी ओवर नहीं दिया क्योंकि उन्हें पता है कि सिराज पुरानी गेंद से कमाल करते हैं। लंच के बाद बुमराह ने ट्रेविस हेड को आउट करके उनके और लाबुशेन के बीच चौथे विकेट की 86 रन की साझेदारी को तोड़ा। सिराज ने लाबुशेन को पवेलियन भेजा जिन्होंने आस्ट्रेलिया के लिये सर्वाधिक 48 रन बनाये।

गिल ने जमीन की ओर जाती गेंद को समय रहते लपक लिया। इसके बाद सिराज ने ग्रीन को पगबाधा आउट किया। वहीं कप्तान टिम पेन (13) एडीलेड की पारी को दोहरा नहीं सके और अश्विन ने उन्हें बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर हनुमा विहारी के हाथों लपकवाया। खेल के आखिरी घंटे में गिल ने बेहतरीन संयम का प्रदर्शन करके दिखा दिया कि उन्हें भविष्य का सितारा क्यो कहा जाता है।उन्होंने सकारात्मक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पैट कमिंस, नाथन लियोन और मिशेल स्टार्क को हावी नहीं होने दिया। पहले टेस्ट में अपने न्यूनतम टेस्ट स्कोर 36 रन पर आउट हुई भारतीय टीम आठ विकेट से हारने के बाद चार मैचों की श्रृंखला में 0 . 1 से पीछे है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम दबाव में, भारतीय गेंदबाजों को सराहा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज मार्नुस लाबुशेन ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन %नई योजना% के साथ गेंदबाजी करने पर भारतीय गेंदबाजों की सराहना करते हुए शनिवार को यहां कहा कि उनकी टीम पहली पारी में दबाव में आ गई थी। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (56 रन पर 4 विकेट) और स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (35 रन पर 3 विकेट) की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी को 195 रन पर समेट दिया। दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने एक विकेट पर 36 रन बना लिए थे। इस पारी में ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लाबुशेन (132 गेंद में 48 रन) ने मैच के बाद कहा, निश्चित रूप से हम बेहतर कर सकते थे। हमारे तीन बल्लेबाज ऐसे आउट हुए जिन्हें शायद आउट नहीं होना चाहिए था। उन्होंने कहा, वे सीधी लाईन-लेंथ के साथ गेंदबाजी कर रहे थे। गेंदबाज रन रोकने के लिए नई योजना के साथ आए थे और दबाव बनाने में सफल रहे।इस 22 साल के बल्लेबाज ने कहा, मैंने लगभग 130 गेंदों का सामना किया। हमने एक बल्लेबाजी इकाई की तरह इस चुनौती का सामना किया और हमें यह पसंद है। उन्होंने कहा, यह जरूरी नहीं कि सभी छह बल्लेबाज हर बार रन बनाए, कई बार एक या दो बल्लेबाज ही काफी होते है।उन्होंने कहा, मैं हूं या कोई और बल्लेबाजी इकाई की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि बड़ा स्कोर बने। अश्विन के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम के संघर्ष करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, लोग नई योजना के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं जैसे कि लेग में क्षेत्ररक्षक रखकर सीधी गेंदबाजी करना। हम उन्हें समझने और सीखने की कोशिश कर रहे हैं। यह इसका समाधान है। बल्लेबाजी समूह के रूप में हम हमेशा सीखने की कोशिश करते हैं।

कप्तानी की हो रही चौतरफा तारीफ, मौके को भुनाया अजिंक्य रहाणे ने

मेलबर्न। पूर्व दिग्गज क्रिकेटरों ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में टीम का नेतृत्व कर रहे कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे की गेंदबाजी में बदलावों की तारीफ की जिससे शनिवार को मैच के पहले दिन भारतीय टीम अपना दबदबा कायम कर सकी। ऑस्ट्रेलिया ने 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट में टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन रहाणे ने समझदारी से गेंदबाजी में बदलाव करते हुए मेजबान टीम के बल्लेबाजों पर दबाव बनाये रखा। अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को गेंदबाजी के लिए जल्दी मौका देने की बात हो या फिर पदार्पण कर रहे मोहम्मद सिराज को देर से गेंद थमाने की, रहाणे का हर फैसला बेहतर साबित हुआ, जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम की पहली पारी 195 रन पर सिमट गयी।

हमें करनी होगी पूरे आत्मविश्वास से बल्लेबाजी : जसप्रीत बुमराह

मेलबर्न। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि टीम के बल्लेबाज लापरवाही दिखाए बिना आत्मविश्वास से खेलना चाहेंगे और एक बार में एक सत्र पर ही ध्यान लगाएंगे। बुमराह ने कहा, हम बल्लेबाजी में मानसिक रूप से रूढ़िवादी नहीं होना चाहते, हम सकारात्मक रहना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के शुरुआती दिन भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और पहली पारी में उसे 195 रन पर समेट दिया। बुमराह ने 56 रन देकर चार विकेट चटकाए जिसमें रविचंद्रन अश्विन (25 रन देकर तीन विकेट) और पदार्पण कर रहे मोहम्मद सिराज (40 रन देकर दो विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया। यह पूछने पर कि पहले टेस्ट में 36 रन पर सिमटने की याद भी उनके दिमाग में ताजा होगी तो बल्लेबाजों की योजना क्या होगी, इस पर बुमराह ने जवाब दिया, हम ज्यादा आगे के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हम एक बार में एक सत्र पर ही ध्यान लगाएंगे। बुमराह ने कहा, हम बल्लेबाजी में मानसिक रूप से रूढ़िवादी नहीं होना चाहते, हम सकारात्मक रहना चाहते हैं। लापरवाह नहीं होना चाहते लेकिन आत्मिवश्वास से खेलना हमारा मकसद होगा। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने अच्छा फैसला करते हुए अश्विन को खेल के पहले ही घंटे में गेंदबाजी के लिए लगा दिया। इस पर बुमराह ने कहा, हम जब सुबह गेंदबाजी कर रहे थे तो विकेट पर कुछ नमी थी इसलिए आपने अश्विन और जडू (रवींद्र जडेजा) को कुछ स्पिन हासिल करते हुए देखा। उन्होंने पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, क्योंकि हम नमी का फायदा उठाना चाहते थे, हम उनका इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे थे, उन?हें (अश्विन) अच्छा उछाल मिल रहा था।रहाणे के क्षेत्ररक्षण सजाने की भी तारीफ हुई, जिसमें शेन वार्न जैसा दिग्गज शामिल था और बुमराह ने कहा कि दूसरे सत्र में गेंदबाजों ने लाइन लेंथ में बदलाव किया, क्योंकि पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो रही थी। उन्होंने कहा, गेंदबाजों और कप्तान के बीच लगातार चर्चा हो रही थी। पहले सत्र के बाद विकेट बदल गया। यह दूसरे सत्र में बल्लेबाजी के लिए बेहतर हो गया और नमी भी खत्म हो गई।

दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 'घुटने के बल बैठने' से किया परहेज

सेंचुरियन। (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों ने शनिवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ शुरूआती टेस्ट के शुरू होने से पहले देश के रंगभेद के खिलाफ संघर्ष को स्वीकारते हुए मुट्ठी बनाकर हाथ उठाया लेकिन दुनियाभर में चल रहे 'ब्लैक लाइव्स मैटर' अभियान से जुड़े घुटने के बल बैठने से परहेज किया।

क्विंटन डि कॉक की अगुआई में खिलाड़ियों ने दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रगान गाने के बाद अपनी मुट्ठी उठाई। दक्षिण अफ्रीकी टीम पर दुनियाभर में चल रहे 'ब्लैक लाइव्स मैटर' अभियान का समर्थन करने के लिए दबाव बन रहा था लेकिन खिलाड़ियों ने एक बयान में कहा कि दक्षिण अफ्रीका में मुट्ठी उठाने का भी इतिहास रहा है।

खिलाड़ियों ने बयान में कहा, हमारे इतिहास में मुट्ठी बनाकर उठाया हाथ भी ताकतवर संकेत है जो नेल्सन मंडेला के 1990 में जेल से रिहाई पर मंडेला और विनी मंडेला की फोटो में भी दिखाया गया है।

उन्होंने कहा, इस संदर्भ में यह जीत, रंगभेद के खिलाफ संघर्ष को स्वीकार करने, बराबरी, न्याय और स्वतंत्रता के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की प्रतिबद्धता का शक्तिशाली संकेत था जबकि हमारी टीम के प्र?येक सदस्य की धार्मिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारियों का सम्मान करना भी था।

पहले टेस्ट के पहले दिन ही न्यूजीलैंड ने कसा पाक पर शिकंजा, केन शतक के करीब

माउंट माउंगानुई। (एजेंसी)

कप्तान केन विलियम्सन की शानदार नाबाद 94 रन, अनुभवी बल्लेबाज रॉस टेलर की 70 और हेनरी निकोल्स की नाबाद 42 रन की पारी दम पर न्यूजीलैंड ने मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन शनिवार को दिन का खेल खत्म होने तक 87 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 222 रन बना लिए।

पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया जो शुरू के दस ओवर तक सही साबित हुआ जब न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज टॉम लाथम मात्र चार और टॉम ब्लंडेल केवल पांच रन पर आउट हो कर पवेलियन लौटे गए। न्यूजीलैंड का पहला विकेट चार रन और दूसरा 13 रन के स्कोर पर गिरा। सलामी बल्लेबाजों के बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान विलियम्सन ने अपनी जबरदस्त लय को जारी रखते हुए अनुभवी बल्लेबाज रॉस टेलर के साथ टीम के कमान संभाली और दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए शानदार 120 रन की साझेदारी हुई। न्यूजीलैंड का तीसरा विकेट 133 के स्कोर पर रॉस टेलर के रूप में गिरा जिन्होंने 151 गेंदों में दस चौकें और एक छक्के की मदद से 70 रन बनाये।

पाकिस्तान की तरफ से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट चटके तथा न्यूजीलैंड का तीसरा विकेट भी उन्होंने ही लिया। अफरीदी ने 20 ओवर में केवल 55 रन देकर तीन विकेट लिए।

पाकिस्तान ने हालांकि इस दौरान कप्तान विलियम्सन के दो कैच छोड़े जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। पाकिस्तान ने लंच से पहले मात्र 18 रन के निजी स्कोर पर विलियम्सन का बहुमूल्य कैच छोड़ा जिसके बाद विलियम्सन को 86 रन पर स्लिप में एक और जीवनदान मिला जब हैरिस सोहेल से उनका कैच छटक गया। इसके बाद विलियम्सन अपनी शानदार पारी को जारी रखते हुए शतक के करीब 94 रन पर पहुंच गए हैं। वह 243 गेंदों में आठ चौकें और एक छक्के की मदद से नाबाद 94 रन बना कर क्रीज पर मौजूद हैं।

कप्तान विलियम्सन के साथ क्रीज पर युवा बल्लेबाज हेनरी निकोल्स भी 100 गेंदों में चार चौकों के सहारे 42 रन बनाकर नाबाद क्रीज पर मौजूद हैं। पाकिस्तान ने पहली पारी में सिर्फ विलियम्सन का ही नहीं बल्कि निकोल्स का भी आसान कैच छोड़ा और वहां से पाकिस्तान के हाथ से खेल निकलता चला गया। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने दूसरी नयी गेंद मिलने के बाद बीस ओवर में 68 लुटाये और इस दौरान एक भी विकेट लेने में कामयाब नहीं हो सके। टीम के लिए अबतक सबसे सफल साबित हुए अफरीदी और मोहम्मद अब्बास ने नए गेंद से हालांकि एक भी ओवर नहीं डाला जिसका न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने अच्छा फायदा उठाया।

पाकिस्तान के लेग स्पिनर यासिर शाह भी पहले दिन कुछ खास नहीं कर सके और न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने उन्हें पूरी तरह से सेटल नहीं होने नहीं दिया। यासिर ने 15 ओवर में 55 रन दिए और पाकिस्तान की तरफ से सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए। इसके अलावा अब्बास ने 21 ओवर में 11 मेडिन ओवर डाले लेकिन उनके हाथ कोई सफलता नहीं लग सकी। न्यूजीलैंड ने हाल में वेस्ट इंडीज की टीम को 2-0 से हराया था और वह आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करता जा रहा है।

पैर में चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाड़ी शादाब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली जाने वाली सीरीज से हुए बाहर

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान के हरफनमौला शादाब खान बायीं जांघ में लगी चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने घरेलू श्रृंखला नहीं खेल सकेंगे। न्यूजीलैंड में एमआरआई स्कैन के बाद डॉक्टरों ने शादाब को छह सप्ताह आराम की सलाह दी है। उन्हें नेपियर में तीसरे टी20 मैच के दौरान चोट लगी थी जिसकी वजह से वह पहला टेस्ट भी नहीं खेल सके।

टीम के डॉक्टर सोहेल सलीम ने कहा कि शादाब की यह चोट नयी है और वह चोट नहीं है जो पिछले महीने उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते समय लगी थी। शादाब पाकिस्तानी टीम के साथ न्यूजीलैंड में ही रहेंगे लेकिन क्राइस्टचर्च में तीन जनवरी से दूसरा टेस्ट भी नहीं खेल पायेंगे। दक्षिण अफ्रीका टीम 26 जनवरी से 14 फरवरी तक पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलेगी।

अजिंक्य रहाणे क्या 21 साल पुराना सचिन तेंदुलकर का ये रिकॉर्ड मेलबर्न में तोड़ पाएंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट मैच की पहली पारी में टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी रही। भारतीय टीम के गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए मेजबान टीम को पहली पारी में 195 रन पर समेट दिया और अब पहली पारी में बल्लेबाजी में जलवा दिखाने की बारी भारतीय टीम की है। हालांकि पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद टीम इंडिया ने 195 रन के जवाब में एक विकेट खोकर 36 रन बना लिए थे।

भारत व ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच एमसीजी यानी मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। इस मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में बतौर भारतीय कप्तान अब तक सिर्फ सचिन तेंदुलकर ने ही शतक लगाया है। सचिन तेंदुलकर ने साल 1999 में ये कमाल किया था और उन्होंने 116 रन की पारी खेली थी। इसके बाद से अब तक किसी भी भारतीय कप्तान ने टेस्ट में मेलबर्न में शतकीय पारी नहीं खेली है। सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पिछले 21 साल से अटूट है तो क्या अजिंक्य रहाणे ये रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे।

इस मैच में फिलहाल टीम इंडिया बेहतर स्थिति में है और भारतीय टीम अगर पहली पारी में अच्छा स्कोर कर जाती है तो वो दूसरी पारी में कंगारू टीम को दवाब में ला सकती है और फिर भारत के लिए जीत का रास्ता खुल सकता है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि भारतीय बल्लेबाज रन बनाएं साथ ही कप्तान रहाणे पर भी बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि विराट कोहली टीम में नहीं है। अगर वो टीम के लिए बड़ी पारी खेलते हैं तो सचिन का रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं और ये टीम के हित में भी रहेगा।

रहाणे से ये उम्मीद इस वजह से भी है क्योंकि वो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में शतक लगा चुके हैं। उन्होंने 2014 में कंगारू टीम के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में शतकीय पारी खेली थी और 147 रन बनाए थे।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाने वाले 5 भारतीय बल्लेबाज-

116 - सचिन तेंदुलकर (1999)
195 - वीरेंद्र सहवाग (2003)
69 - विराट कोहली (2014)
147 - अजिंक्य रहाणे (2014)
106 - चेतेश्वर पुजारा (2018)

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी की तारीफ करने से मना किया सुनील गावस्कर ने, बताई इसकी वजह

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे मुकाबले के पहले दिन मेलबर्न में भारतीय टीम का दबदबा रहा। इस मैच के पहले दिन अजिंक्य रहाणे की कप्तानी काफी अच्छी रही और इसकी तारीफ वीरेंद्र सहवाग, वीवीएस लक्ष्मण जैसे दिग्गजों ने भी की। रहाणे ने जिस तरह से कंगारू बल्लेबाजों के खिलाफ फील्डिंग की सेटिंग की थी और कमाल की थी और इससे टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज सुनील गावस्कर भी काफी प्रभावित नजर आए।

रहाणे की बेहतरीन फील्ड सेटिंग और उनकी कप्तानी को लेकर गास्वकर ने साफ किया कि, वो अभी उनकी तारीफ नहीं करेंगे क्योंकि ये काफी जल्दबाजी होगी। गावस्कर ने कहा कि वो नहीं चाहते हैं कि उन पर मुंबई के इस खिलाड़ी का समर्थन करने का आरोप लगे। रहाणे की कप्तान को लेकर उन्होंने कहा कि, हमें इतनी जल्दी किसी निर्णय पर नहीं पहुंचना चाहिए। अगर मैं ये कहूंगा कि उनकी कप्तानी बेहतरीन है तो मुझ पर मुंबई के खिलाड़ी के समर्थन का आरोप लगेगा।

गावस्कर ने कहा कि, मैं इस तरह की बहस में इस वजह से नहीं पड़ना चाहता क्योंकि ये अभी सिर्फ शुरुआत हैं। गावस्कर रहाणे के फील्डिंग सेट करने से काफी प्रभावित नजर आए थे क्योंकि तीन कंगारू बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशाने कैच आउट हुए थे। गावस्कर ने रहाणे के बारे में कहा कि, उन्होंने जिन मैचों में कप्तानी की थी उसमें मैंने देखा था कि उनमें इस बात की समझ है कि फील्डर्स को कहां रखा जाना चाहिए। सबसे अहम ये है कि गेंदबाजों को भी फील्डर्स के मुताबिक गेंदबाजी करनी चाहिए। अगर गेंदबाज फील्डर्स के मुताबिक गेंदबाजी करता है तो सफलता मिलती है जैसा की पहली पारी में देखने को मिला।

आपको बता दें कि पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया की टीम सिर्फ 195 रन पर आउट हो गई थी। जसप्रीत बुमराह ने पहली पारी में चार विकेट लिए तो वहीं अश्विन को तीन सफलता मिली। मो. सिराज ने दो शिकार किए जबकि जडेजा ने एक सफलता अर्जित की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.

रणबीर कपूर नहीं करेंगे संजय लीला भंसाली की 'बैजू बावरा'

रणबीर कपूर को बॉलीवुड में फिल्म निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली ने ही प्रस्तुत किया था। सांवरिया रणबीर की पहली फिल्म थी, जो भले ही बॉक्स ऑफिस पर असफल रही थी, लेकिन रणबीर की गाड़ी चल पड़ी क्योंकि भंसाली ने उनसे बेहतरीन एक्टिंग करवाई थी।

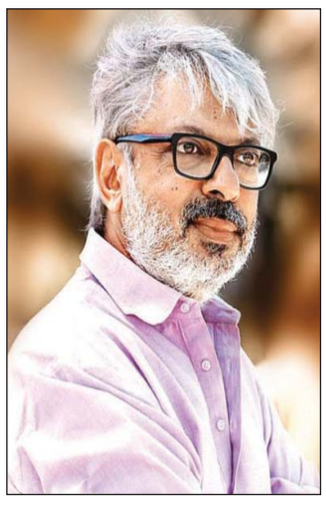

इस फिल्म में के बाद भंसाली के खेमे में रणवीर सिंह की एंट्री हो गई। दोनों ने मिल कर गोलियों की रासलीला रामलीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी सुपरहिट फिल्में दीं। इस सफलता के बावजूद रणबीर कपूर के साथ एक फिल्म भंसाली करना चाहते थे और उन्होंने 'बैजू बावरा' नामक फिल्म की रूपरेखा बनाई। लंबे समय से दोनों इस फिल्म को लेकर बात कर रहे थे, लेकिन अब रणबीर कपूर इस फिल्म से अलग हो गए हैं।

रणबीर ने बदली नीति

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया- 'रणबीर कपूर को भंसाली से कोई समस्या नहीं है, लेकिन अब वे थोड़ी अलग फिल्म करना चाहते हैं। प्रयोगात्मक फिल्म करने का उनका मूड नहीं है। उनके सामने लंबा करियर है और कुछ वर्ष बाद वे इस तरह की फिल्म करेंगे। उनके पिता ऋषि कपूर भी यही चाहते थे।'

संभव है कि भंसाली और रणबीर किसी और प्रोजेक्ट में साथ जुड़े, लेकिन यह निकट भविष्य में संभव नहीं है क्योंकि दोनों अभी व्यस्त हैं। रणबीर कपूर .ब्रह्मास्त्र, शमशेरा, लव रंजन की आने वाली फिल्म और संदीप वांगा रेड्डी की आगामी फिल्म आने वाली हैं।

रितिक रोशन के डबल रोल, एक खूंखार गैंगस्टर और दूसरा स्टाइलिश किरदार

दक्षिण भारत की सुपरहिट फिल्म 'विक्रम वेधा' का हिंदी रीमेक बनाने की चर्चा लंबे समय से चल रही है। अब फिल्म की कई बातें तय हो गई हैं। जैसा कि आप जानते हैं कि रितिक रोशन अब इस फिल्म का हिस्सा होंगे और इस खबर से रितिक के फैंस बेहद खुश हैं।

रितिक रोशन डिजीटल डेब्यू भी करने जा रहे हैं। वे डिज्नी हॉटस्टार के लिए मूवी करेंगे।

इस फिल्म में रितिक रोशन के डबल रोल होंगे। एक स्टाइलिश किरदार होगा जिसमें रितिक बेहद हैंडसम और डेशिंग नजर आएंगे। दूसरा किरदार खूंखार गैंगस्टर का होगा। इस फिल्म का निर्देशन पुष्कर-गायत्री करेंगे जिन्होंने ओरिजनल मूवी भी डायरेक्ट की थी।

रितिक से जुड़े सूत्र के अनुसार रितिक हमेशा से चैलेंज लेते आए हैं और एक बार फिर उन्होंने चुनौतीपूर्ण किरदारों और फिल्म के लिए हां कहा है।

आमिर से चल रही थी बात

विक्रम वेधा' के हिंदी रिमेक के लिए सबसे पहले रितिक रोशन के नाम पर ही चर्चा की गई थी, लेकिन बाद में आमिर खान को लेने का फैसला किया गया। आमिर से बातचीत विफल रही और फिर रितिक रोशन से बात कर उन्हें फाइनल किया गया। फिल्म में सैफ अली खान भी नजर आएंगे।

रितिक रोशन की डायरी फुल

रितिक से शिकायत रहती है कि वे कम फिल्में करते हैं, लेकिन अब रितिक इसे दूर करने में लगे हुए हैं। उनकी डायरी 2021 के लिए फुल हो गई है। वॉर 2, फाइटर, कृष 4 और विक्रम वेधा का रीमेक जैसी फिल्में उनके पास है।

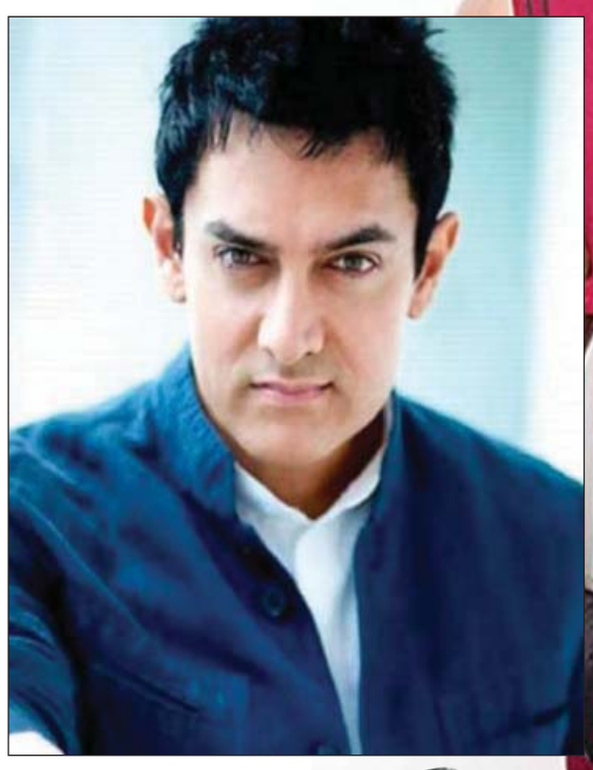

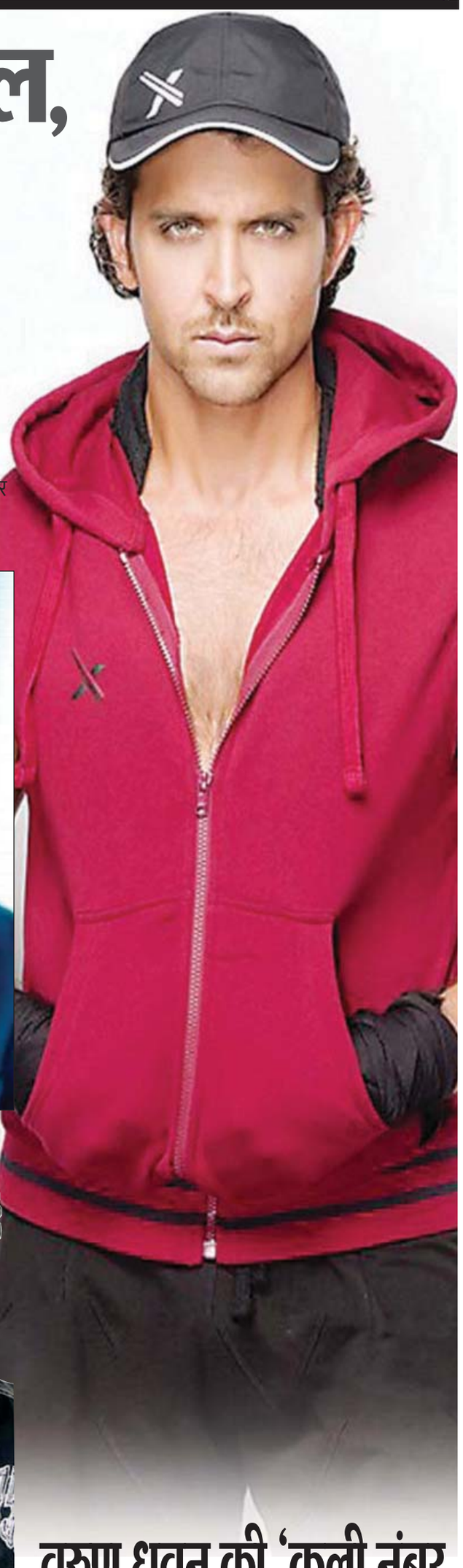

फिल्म 'सलार' में प्रभास के अपोजिट नजर आ सकती हैं दिशा पाटनी

साउथ सुपरस्टार प्रभास अपनी अगली फिल्म 'राधे श्याम' के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा हाल ही में प्रभास की फिल्म 'सलार' की घोषणा हुई है। इस फिल्म को प्रशांत नील बना रहे हैं। जब से इस फिल्म का ऐलान हुआ है तब से इस बात को लेकर चर्चा है कि इस फिल्म में प्रभास के अपोजिट कौन सी एक्ट्रेस नजर आने वाली हैं।

अब खबर आ रही है कि इस फिल्म के लिए प्रभास के अपोजिट एक्ट्रेस दिशा पाटनी को लेने की बात चल रही हैं। अगर ऐसा होता है तो दर्शकों को एक नई जोड़ी देखने को मिलने वाली हैं। हालांकि इस बात को लेकर किसी तरह का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है और ना ही इसको लेकर दिशा की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है।

प्रशांत नील ने हाल ही में 'केजीएफ चैप्टर 2' की शूटिंग को पूरा किया है। वे अपने आगामी प्रोजेक्ट को किक-स्टार्ट करने के लिए कमर कस रहे हैं। फिल्म के लिए हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में एक विशाल सेट का निर्माण कराया है। बताया जा रहा है कि प्रभास 2021 में 'सलार' के अलावा 'आदिपुरुष' की शूटिंग भी शुरू करेंगे।

दिशा पाटनी के वर्कफ्रंट की बात करें तो इस समय फिल्म राधे को लेकर बिजी हैं और इसमें वो सलमान खान के अपोजिट नजर आने वाली हैं।

वरुण धवन की 'कुली नंबर 1' ने बनाया रिकॉर्ड, 24 घंटों में सबसे ज्यादा बार देखी जाने वाली बनी फिल्म

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और सारा अली खान की फिल्म 'कुली नं 1' ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। ये फिल्म साल 1995 में आई गोविंदा और करिश्मा कपूर की फिल्म का रीमेक है। फैंस इस फिल्म को अपना भरपूर प्यार दे रहे हैं।

डेविड धवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने रिलीज होने के 24 घंटों बाद ही रिकॉर्ड्स कायम करने शुरू कर दिए हैं। वरुण धवन और सारा अली खान की इस फिल्म ने 24 घंटों में सबसे ज्यादा व्यूज पाकर एक नया रिकॉर्ड हासिल किया है।

कुली नंवर वन पहली ऐसी फिल्म बन चुकी है जिसने डायरेक्ट ओटीटी पर रिलीज होने के बाद भी जबरदस्त व्यूज हासिल किए हैं। खबरों के अनुसार अमेजन प्राइम रविवार के दिन अपना डाटा शेयर करेगा। जिसके बाद ही असली डाटा का खुलासा होगा।

फिल्म कुली नंबर 1 में वरुण धवन और सारा अली खान के अलावा राजपाल यादव, जॉनी लीवर, परेश रावल, साहिल वैद, शिखा तलसानिया और जावेद जाफरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

सनी देओल, अक्षय कुमार और अजय देवगन क्यों नहीं जाते फिल्मी पार्टियों में?

ड्रग्स के साये ने जब से बॉलीवुड को अपनी चपेट में लिया है तब से उन फिल्मी पार्टियों की बातें भी सतह पर आने लगी हैं जिनमें ड्रग्स भी परोसी जाती थी। शराब को तो कानूनी रूप से मान्यता मिली हुई है, लेकिन बात शराब से आगे निकल कर ड्रग्स तक जा पहुंची है।

सुशांत सिंह राजपूत और रिया चक्रवर्ती के मामले में ड्रग्स ने एक नया मोड़ दिया है और कहा जा रहा है कि जांच कर रही एजेंसियों के पास उन फिल्म सितारों के नाम पहुंच चुके हैं जो ड्रग्स के नशे में चूर हो कर अपनी सफलता का जश्न मनाते हैं या अपनी असफलताओं के गम को भुलाने की कोशिश करते हैं।

फिल्मी पार्टियां सदैव से ही लोगों का आकर्षण का केन्द्र रही है क्योंकि इसमें आम आदमी के लिए कोई जगह नहीं रही है। ये पार्टियां बरसों से चली आ रही हैं। राज कपूर, देवानंद और दिलीप कुमार के जमाने में किसी नई फिल्म की घोषणा के समय पार्टी दी जाती थी। फिर फिल्म के सफलता का जश्न पार्टी देकर मनाया जाता था।

इन पार्टियों का जोर-शोर से ढिंढोरा पीटा जाता था। प्रतिद्वंद्वी भी इस पार्टी में शामिल होते थे और सफलता के नगाड़े उनके सीने पर हथौड़े समान लगते थे। धीरे-धीरे इन पार्टियों का रूप छिछोरा होता गया। ड्रग्स शामिल नहीं हुए, लेकिन नशे के बाद कई लोगों की जुबां पर उनके दिल का मैल आ गया और धीरे-धीरे ये पार्टियां अपना स्वरूप खोने लगी। अब फिल्मी पार्टियां कम होती हैं क्योंकि ग्रुप बन गए हैं। एक-दूसरे के ग्रुप में जाना सितारों को पसंद नहीं है।

अजय देवगन, अक्षय कुमार और सनी देओल जैसे अभिनेताओं ने जब फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था तब पार्टियों का बोलबाला था। हर रोज दो से तीन पार्टियां होती थी। चूंकि तीनों ने बहुत तेजी से फिल्म उद्योग में अपना स्थान बनाया इसलिए हर पार्टी में इनकी डिमांड होती थी। शुरू में ये कुछ पार्टियों में नजर आए, लेकिन जल्दी ही इन्होंने दूरी बना ली।

सनी देओल : सनी देओल के पिता धर्मेन्द्र जरूर पीने-पिलाने के शौकीन रहे, लेकिन सनी ने सदैव शराब से दूरी बना कर रखी। वे पार्टियों में नजर आए, लेकिन कभी उनके हाथ में जाम नहीं था। इस कारण उनकी लोगों से खास जमी नहीं। सनी ने एक इंटरव्यू में बताया कि पीने के बाद लोग कुछ तो भी बातें करने लगते हैं। उनका 'लेवल' और मेरा 'लेवल' मैच नहीं कर पाता था। कुछ देर पहले वे जिन लोगों की प्रशंसा करते फिर रहे थे कुछ जाम गटकने के बाद उनकी बुराई करने लगते थे। मुझे समझ नहीं आता था कि मैं क्या बात करूं, लिहाजा मैंने पार्टियों में जाना छोड़ दिया।

अक्षय कुमार : खिलाड़ी कुमार यदा-कदा पार्टियों में नजर आते हैं, लेकिन जितनी जल्दी आते हैं उतनी जल्दी निकल जाते हैं। जैसे उनकी फिल्म की सफलता का जश्न हो तो केक कटा और अक्षय पार्टी से बाहर। अक्षय को भी पीना पसंद नहीं है। रात नौ बजे वे सोने पहुंच जाते हैं, लिहाजा उनके लिए देर रात तक जागना संभव नहीं है। अक्षय काम में विश्वास रखते हैं और इस तरह की पार्टियां उन्हें समय की बरबादी लगती है।

अजय देवगन : अजय देगवन को पीना पसंद है, लेकिन वे खास दोस्तों के साथ ही पीना पसंद करते हैं। पार्टियों में सरेआम जाम छलकाना उन्हें पसंद नहीं। वे अंतर्मुखी हैं इसलिए जल्दी घुलमिल नहीं पाते। अजनबियों के बीच उन्हें अजीब सा महसूस होता है। बुराई करना उनका स्वभाव नहीं है। वैसे भी अजय रात 9 बजे तक अपने परिवार के बीच पहुंचना पसंद करते हैं।

ऐसा नहीं है कि ये अभिनेता 'बोरिंग' किस्म के हैं। ये पार्टियां करते हैं, भले ही उसमें ये नहीं पीते, लेकिन इनके ऐसे दोस्त हैं, जो फिल्म इंडस्ट्री के नहीं है, जिनके बीच ये कम्फर्टेबल महसूस करते हैं, उनके साथ ये मौज-मस्ती करते हैं। ड्रग्स जैसी चीज से तो ये कोसों दूर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इजराइल और फलस्तीनी विवाद: आतंकी हमले के बाद गाजा पट्टी पर किए गये हवाई हमले

गाजा सिटी। इजराइल की सेना ने कहा है कि फलस्तीनी आतंकवादियों द्वारा देश के दक्षिणी हिस्से की तरफ दो रॉकेट दागे जाने के बाद शनिवार तड़के गाजा पट्टी में कई स्थानों पर हवाई हमले किए। इजराइल की सेना ने बताया कि हवाई हमलों में गाजा के आतंकवादी समूह हमास की रॉकेट निर्माण इकाई एवं प्रशिक्षण तथा सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

फलस्तीनी मीडिया में आई खबरों के अनुसार हवाई हमले पूर्वी गाजा शहर में हुए हालांकि इनमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सेना के मुताबिक शुक्रवार को इजराइल के तटीय शहर अश्केलोन को निशाना बनाकर रॉकेट दागे गए थे जिन्हें रोक दिया गया।

रॉकेट हमले की जिम्मेदारी फलस्तीन के किसी समूह ने नहीं ली है लेकिन इन हमलों से सीमा पर महीनों से जारी शांति जरूर भंग हो गई। रॉकेट हमले तथा इजराइल के जवाबी हमले लगातार होते रहते हैं लेकिन हाल के महीनों में दोनों ही क्षेत्रों में कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के कारण इनमें कमी आई थी। गाजा में 2007 से काबिज हमास और इजराइल के बीच अब तक तीन युद्ध हो चुके हैं और अनगिनत झड़पें भी हो चुकी हैं।

अफगान सेना की एयर स्ट्राइक में चार अल-कायदा आतंकी ढेर, काबुल में सिलसिलेवार बम धमाके, दो पुलिस अधिकारियों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में सेना की स्ट्राइक में अल-कायदा के चार आतंकी मारे गए हैं। समाचार एजेंसी ने अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के हवाले से बताया कि नावा जिले में अफगान सेना की एयर स्ट्राइक में चारों आतंकी मारे गए। हाल के दिनों में अफगानिस्तान में सेना और आतंकियों के बीच टकराव और बढ़ गया है। वहीं समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार सुबह अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सिलसिलेवार बम धमाके हुए। इन विस्फोटों में दो पुलिस अधिकारियों की जहां मौत हो गई वहीं दो अन्य पुलिस अफसरों के घायल होने की खबर है। धमाकों में एक नागरिक को भी चोटें आई हैं। काबुल पुलिस के प्रवक्ता फेरडॉस फरारामर्ज ने कहा कि पश्चिमी काबुल में पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट में दो अधिकारियों की जहां मौत हो गई। इस धमाके में एक नागरिक भी घायल हुआ है। वहीं एक अन्य घटना में पुलिस वाहन में लगाए गए बम के फटने से दो पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं। एक तीसरा बम धमाका पूर्वी काबुल में हुआ, लेकिन इसमें किसी व्यक्ति के घायल होने या मरने की खबर नहीं है। शहर के दो अन्य स्थानों पर भी धमाके की सूचना है, लेकिन पुलिस ने अभी तक इस संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। धमाके उस समय किए गए हैं जब कतर की राजधानी दोहा में अफगान सरकार और तालिबान के बीच शांति वार्ता चल रही है। अब तक इन हमलों की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। बता दें कि हाल के दिनों में होने वाले अधिकांश हमलों की जिम्मेदारी अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) ने ली है। इसमें शैक्षिक संस्थानों पर हुए हमले भी शामिल हैं, जिनमें 50 लोग मारे गए थे। मरने वालों में अधिकांश छात्र थे।

कोरोना के इलाज में कारगर हो सकती है एंटीबॉडी दवा, शोधकर्ताओं ने जताई उम्मीद

लंदन। कोरोना वायरस से मुकाबले की कवायद में विज्ञानियों ने एक एंटीबॉडी दवा को लेकर परीक्षण शुरू किया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह दवा न सिर्फ कोरोना के इलाज में कारगर हो सकती है बल्कि इस घातक वायरस के खिलाफ तुरंत सुरक्षा भी मुहैया करा सकती है।

ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन हॉस्पिटल (यूसीएलएच) के शोधकर्ताओं का मानना है कि एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित लांग एक्टिंग एंटीबॉडी (एलएएबी) कोरोना की चपेट में आए लोगों को तुरंत और दीर्घकालीन सुरक्षा मुहैया करा सकती है। इस एंटीबॉडी को एजेडडी 7442 नाम से भी जाना जाता है।

अध्ययन में दस प्रतिभागियों का किया गया शामिल

यूसीएलएच की वायरस विज्ञानी डॉ. कैथरीन होउलिहान की अगुआई में किए जा रहे इस अध्ययन में दस प्रतिभागियों को शामिल किया गया है। कैथरीन ने कहा, 'हम जानते हैं कि एंटीबॉडी का यह संयोजन वायरस को बेअसर कर सकता है। हमें उम्मीद है कि इंजेक्शन के जरिये होने वाला यह उपचार कोरोना की चपेट में आए लोगों को इस वायरस के खिलाफ तत्काल सुरक्षा मुहैया करा सकता है।'

शोधकर्ताओं के अनुसार, यूसीएलएच का वैक्सीन रिसर्च सेंटर इस समय कोविड-19 के खिलाफ एलएएबी संयोजन उपचार को लेकर क्लीनिकल ट्रायल कर रहा है। यूसीएलएच की संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. निकी लोंगले ने कहा, 'हम अपने अध्ययन में बुजुर्गों के साथ ही उन लोगों को भी शामिल करेंगे, जो एचआइवी और कैंसर जैसे रोग से जूझ रहे हैं।' एंटीबॉडी एक प्रोटीन है। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्युन सिस्टम) वायरस से मुकाबले के लिए एंटीबॉडी का निर्माण करती है।

अमेरिका के सांसदों का माइक पोम्पियो से अनुरोध, भारत के किसान मुद्दे पर न की जाएं कोई टिप्पणी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

चीन पाकिस्तान को एक बड़ा झटका देने की तैयारी में है। एशिया टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में लगातार सामने आ रहे घोटालों, बढ़ रहे ऋण और सुरक्षा के कारण से बढ़ रही लागत की वजह से ड्रैगन ने अरबों की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की अपनी प्रतिबद्धता से पीछे हट रहा है। चीन ने बहुत तेजी से अपने खर्चों में कटौती की है। CPEC के कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट अब या तो ठप हो गए हैं या तय समय से पीछे चल रहे हैं।

एशिया टाइम्स के अनुसार, CPEC के तहत 122 परियोजनाओं में से केवल 32 इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही तक पूरी हुई हैं। न केवल पाकिस्तान, अन्य देशों के लिए भी चीन के कुल उधार में पिछले कुछ वर्षों में काफी गिरावट देखी गई है।

बोस्टन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य समर्थित चीन डेवलपमेंट बैंक और एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक ऑफ चाइना द्वारा 2016 में कुल ऋण 75 अरब डॉलर से घटकर पिछले साल केवल 4 बिलियन डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 के अनुमानों से पता चलता है कि यह राशि आगे बढ़कर 3 बिलियन डॉलर हो गई है।

बीजिंग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में हाल के कुछ वर्षों में सामने आए हाई-प्रोफाइल करप्शन स्कैंडल सहित अन्य कारणों की वजह से चीन को अपनी प्रमुख परियोजनाओं से दूर रहने के लिए मजबूर किया है। बोस्टन विश्वविद्यालय के शोध ने भी इसकी पुष्टि की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बीजिंग इस तथ्य पर विशेष रूप से नाराज है कि परियोजनाओं में शामिल चीनी कंपनियां विभिन्न भ्रष्टाचार घोटालों में विशेष रूप से बिजली क्षेत्र में खुद को उलझाए हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में पाकिस्तान के सुरक्षा और विनिमय आयोग द्वारा की गई जांच में बिजली क्षेत्र में 1.8 अरब डॉलर से अधिक की अनियमितता पाई गई, जिसमें 16 चीनी कंपनियां सीपीईसी में शामिल थीं। ये कंपनियां अनुचित सब्सिडी प्राप्त कर रही हैं और राष्ट्रीय खजाने को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचा रही हैं।

एशिया टाइम्स के अनुसार चीन की वैश्विक उधार रणनीति में बदलाव के पीछे अमेरिका के साथ जारी व्यापार युद्ध एक और बड़ा कारण हो सकता है।

नेपाल में राजनीतिक संकट: ओली सरकार ने एक जनवरी से उच्च सदन का शीतकालीन सत्र बुलाने की सिफारिश की

काठमांडू (एजेंसी)।

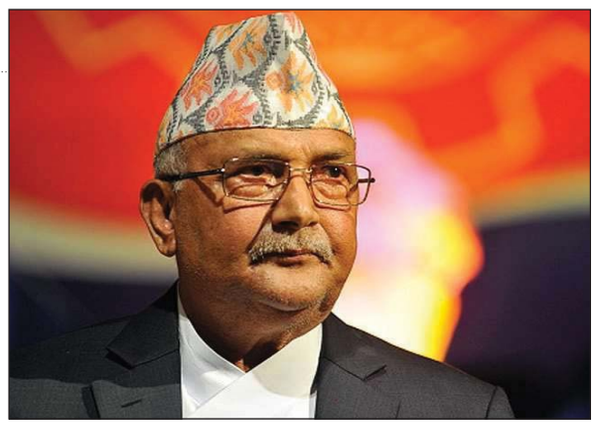

नेपाल के संकटग्रस्त प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने राष्ट्रपति को संसद के उच्च सदन के शीतकालीन सत्र को 1 जनवरी को बुलाने की सिफारिश की है। लगभग एक सप्ताह पहले निचले सदन को भंग कर दिया गया था। राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने रविवार को प्रधानमंत्री ओली की सिफारिश पर हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव को भंग कर दिया और मध्यावधि चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी। इसके बाद से ही नेपाल राजनीतिक संकट में फंस गया है। इसका सत्तारूढ़ पार्टी का एक धड़ा और विभिन्न विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं।

शुक्रवार शाम को आयोजित एक कैबिनेट बैठक में सिफारिश की गई कि राष्ट्रपति एक जनवरी को नेशनल असेंबली के शीतकालीन सत्र को बुलाएं। शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री बनाए गए हृदयेश त्रिपाठी ने काठमांडू पोस्ट को बताया।प्रधानमंत्री ओली द्वारा मंत्रिमंडल में फेरबदल करने के लिए बैठक आयोजित की गई थी। इस दौरान कैबिनेट में पांच पूर्व माओवादी नेताओं समेत आठ मंत्रियों को शामिल किया गया और उनके पांच मंत्रियों के पोर्टफोलियो को बदला गया। रविवार को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के भंग होने के बाद प्रचंड के नेतृत्व वाले गुट के सात मंत्रियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था।

सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा 2 जुलाई को संसद का बजट सत्र बुलाया गया था। नेपाल के संविधान के अनुसार, दो संसद सत्रों के बीच का अंतर छह महीने से अधिक नहीं हो सकता है। पार्टी में इस्तीफा देने की बढ़ रही विरोधियों की मांग के बीच ओली पर संसद के शीतकालीन सत्र को बुलाने का दबाव भी था। इसके बजाय, उन्होंने रविवार को निचले सदन को भंग करने का फैसला किया। उनके इस कदम की संवैधानिक मामलों के विशेषज्ञों द्वारा आलोचना की गई। उन्होंने इस असंवैधानिक करार दिया। नेपाल सुप्रीम कोर्ट इसके खिलाफ 13 मामलों की सुनवाई कर रहा है। कोर्ट ने शुक्रवार को सरकार के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया।

कोरोना लॉकडाउन के मौके पर ब्रिटेन की महारानी ने क्रिसमस संदेश में किया दीवाली का जिक्र

लंदन। (एजेंसी)।

इस वर्ष क्रिसमस के मौके पर ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा दिया गया भाषण विविधता और आशा पर केंद्रित था। इस दौरान उन्होंने लॉकडाउन के दौरान मनाए गए दीवाली सहित सभी धर्मों के प्रमुख त्योहारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेरी क्रिसमस की शुभकामनाएं इस वर्ष ठीक प्रतीत नहीं होती हैं। इसलिए हम बेहतर 2021 की कामना करते हैं। यह पहली बार है, जब क्रिसमस के मौके पर 94 वर्षीय महारानी के साथ उनका शाही परिवार नहीं था। लोगों से सहिष्णुता और पारस्परिक सम्मान की अपील करते हुए महारानी ने कोरोना के दौरान जान गंवाने वाले विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को याद किया।

सभी धर्मों के लोग एकत्र होने में असमर्थ

उन्होंने कहा, 'ईसाइयों के लिए यीशु एकमात्र उम्मीद हैं, लेकिन हम उनका जन्मदिन सामान्य तरीके से मना नहीं सकते हैं। सभी धर्मों के लोग एकत्र होने में असमर्थ हैं, क्योंकि उन लोगों ने ईस्टर, ईद और वैशाखी भी इसी तरह से मनाई है।' पूर्व में रिकॉर्ड किए गए इस संदेश को सालाना 25 दिसंबर को दिन में तीन बजे प्रसारित किया गया था। महारानी ने कहा, 'शारीरिक दूरी के बावजूद पिछले महीने हिंदू, सिख और जैन धर्म के लोगों ने रोशनी का पर्व दीपावली मनाया। इस दौरान आतिशाबाजी से विंडसर पैलेस के ऊपर का आसमान सतरंगी रोशनी से नहा उठा।

स्वयंसेवकों की कहानियों ने मुझे प्रेरित किया

एक खास बात यह है कि इस वर्ष भले ही हम दूर-दूर रहे हों, लेकिन यह कई मायनों में हमें करीब भी लाया है। महामारी के दौरान जरूरतमंदों की मदद करने वाले स्वयंसेवकों की कहानियों ने मुझे प्रेरित किया है।' अपने संदेश के दौरान महारानी ने वैक्सीन बनाने में सफलता के लिए आधुनिक विज्ञान की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। यह संदेश विंडसर पैलेस के ग्रीन ड्राइंग रूम में रिकॉर्ड किया गया था। महारानी के पीछे उनके पति और 99 वर्षीय प्रिंस फिलिप की तस्वीर लगी हुई थी।

अमेरिका के नेशविल में हुआ गाड़ी में धमाका, कम्यूनिकेशन हुआ ठप, फ्लाइट्स भी प्रभावित

नेशविल (अमेरिका)। (एजेंसी)।

नेशविल में क्रिसमस वाले दिन केंद्रीय टेलीफोन एक्सचेंज की इमारत के पास सुनसान सड़क पर खड़े एक वाहन में विस्फोट होने से संचार सेवाएं ठप पड़ गईं, पुलिस की आपात प्रणाली ने भी काम करना बंद कर दिया तथा शहर के हवाईअड्डे से उड़ानों को भी रोकना पड़ा। शुक्रवार को पुलिस गोलीबारी की खबरों की जांच कर रही थी तभी उन्हें एक वाहन का पता चला जिसमें से पहले से रिकॉर्ड की गई चेतावनी की आवाज आ रही थी जिसमें कहा जा रहा था कि वाहन में लगा बम 15 मिनट में फट जाएगा।

मेट्रो नेशविल पुलिस प्रमुख जॉन ड्रेक ने बताया कि इसके बाद पुलिस ने आसपास की इमारतों को खाली करवाया और बम निरोधक दस्ते को बुलाया लेकिन कुछ ही देर बाद वाहन में धमाका हो गया। मेयर जॉन कूपर ने इसे शांति और उम्मीद के माहौल को डर और आशंका में बदलने का प्रयास बताया। पुलिस का मानना है कि विस्फोट इरादतन किया गया है हालांकि इसके पीछे मकसद क्या था यह अभी पता नहीं चल सका है। दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने एपी को बताया कि विस्फोट स्थल के नजदीक मानव अवशेष मिले हैं हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह शुक्रवार को हुए विस्फोट से जुड़े हैं, विस्फोट के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के हैं या फिर किसी बेकसूर के हैं।

कूपर ने बताया कि तीन लोगों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया तथा उन सभी की हालत स्थिर है। पुलिस प्रवक्ता डॉन एर्रॉन ने बताया कि कुछ लोगों को इस सिलसिले में पूछताछ के लिए ले जाया गया है। यह घटना संचार कंपनी 'एटी एंड टी' की इमारत के पास हुई जिसमें टेलीफोन एक्सचेंज का केंद्रीय कार्यालय है, यहीं पर नेटवर्क उपकरण भी हैं। यही वजह है कि विस्फोट के चलते संचार सेवाएं ठप पड़ीं। संघीय विमानन प्रशासन ने संचार सेवाओं में अवरोध आने के कारण नेशविल हवाईअड्डे से उड़ानों को अस्थायी तौर पर रोक दिया। मामले की जांच एफबीआई करेगी।

दक्षिण कोरिया में क्रिसमस वाले हफ्ते में तेजी से बढ़े कोरोना वायरस के मामले

सियोल। (एजेंसी)।

दक्षिण कोरिया में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,132 नए मामले सामने आने के साथ यहां संक्रमण के कुल 55,902 मामले हो गए हैं। इससे पहले शुक्रवार को कोरोना वायरस के एक दिन में सर्वाधिक 1,241 नए मामले सामने आए थे। यहां बीते 15 दिन में संक्रमण के 15,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं तथा इस अवधि में 221 लोगों की मौत हुई जिसके साथ कोविड-19 के कारण मरने वालों की कुल संख्या 793 हो गई है। एक समय ऐसा लग रहा था कि दक्षिण कोरिया कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई जीत रहा है लेकिन क्रिसमस वाले हफ्ते में अचानक मामले तेजी से बढ़ गए और ऐसा लगता है कि अधिकारियों को सामाजिक दूरी के नियम समेत अन्य पाबंदियों में सख्ती बरतनी होगी।

कोविड-19 के उपचार के लिए अधिक संस्थानों को निर्दिष्ट किया गया है तथा कई दर्जन सामान्य अस्पतालों को वायरस के मरीजों के लिए और आईसीयू बेड आवंटित करने का आदेश दिया गया है। कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी से जुड़े डॉ. क्वाक जिन ने बताया कि इस महीने कम से कम चार मरीजों ने अस्पताल में भर्ती होने के इंतजार में दम तोड़ दिया। एजेंसी ने बताया कि 16,577 मरीजों का उपचार चल रहा है जिनमें से 299 की हालत गंभीर है। कोरिया यूनिवर्सिटी अनसान अस्पताल में संक्रामक रोगों के विशेषज्ञ चो वुन सुक ने कहा कि सरकार को सर्दियों में वायरस के मामले बढ़ने के मद्देनजर और तैयारियां करनी होंगी।

अमेरिका में अश्वेत डॉक्टर की कोरोना से मौत, मीडिया में इलाज में लापरवाही होने की चर्चा

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

अमेरिका में अश्वेत महिला डॉक्टर की कोविड-19 से मौत के बाद इंटरनेट मीडिया पर यह खबर तेजी से फैली है कि इलाज में लापरवाही के चलते उनकी मौत हुई। इलाज में लापरवाही के लिए नस्लभेदी सोच को जिम्मेदार बताया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन ने महिला डॉक्टर के इलाज में लापरवाही के आरोप की पूरी जांच कराने का वादा किया है। महिला डॉक्टर से खासतौर पर अश्वेत लोगों में भारी गुस्सा है।

अस्पताल ने दिया जांच का आश्वासन

डॉक्टर सूसन मूर (52) नवंबर के आखिरी दिनों में कोरोना संक्रमित पाई गई थीं। इसके बाद उन्हें इंडियानापोलिस के कार्मेल शहर के आइयू हेल्थ नॉर्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी स्थिति को समझते हुए डॉक्टर उनकी चिकित्सा, स्कैन और रुटीन चेकअप कराते रहे। इस दौरान डॉ. सूसन ने पाया कि एक श्वेत डॉक्टर उनकी तकलीफ पर उचित ध्यान नहीं दे रहा है। उनकी दर्द की शिकायत पर उक्त श्वेत डॉक्टर ध्यान नहीं दे रहा था और जोर देने पर उसने कहा, वह अस्पताल के इलाज पर विश्वास नहीं कर रही हैं।

मैं श्वेत होती तो मेरे साथ यह सब नहीं हो रहा होता

चार दिसंबर को फेसबुक पर वीडियो पोस्ट कर सूसन ने कहा, अगर मैं श्वेत होती तो मेरे साथ यह सब नहीं हो रहा होता। दर्द की शिकायत करने पर नशीली दवाएं नहीं दी जातीं। इस वीडियो में उनकी आवाज टूट रही थी, कमजोरी साफ झलक रही थी। वीडियो में कहा गया, साफ हो गया है कि अमेरिका में किस तरह से महामारी से अश्वेत लोग ज्यादा मर रहे हैं। उन्हें पूरा इलाज दिए बगैर वापस घर भेज दिया जा रहा है, जहां वे महामारी से मुकाबला न कर पाने की वजह से मर रहे हैं।

डॉ. सूसन को सात दिसंबर को इंडियाना यूनिवर्सिटी की ओर से चलाए जाने वाले इस अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, लेकिन 12 घंटे बाद ही उनके शरीर का तापमान बढ़ गया और रक्तचाप गिर गया। इसके बाद उन्हें कार्मेल के एक अन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस नए अस्पताल के इलाज से सूसन को आराम मिला और उन्होंने संतोष जताया। लेकिन कुछ ही दिनों बाद उनकी तबीयत फिर बिगड़ने लगी। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और 20 दिसंबर को उनकी मौत हो गई।

डॉ. सूसन के 19 वर्षीय बेटे हेनरी मुहम्मद ने बताया कि उसकी मां कई वर्षों से दर्द की आंतरिक बीमारी से पीड़ित थीं और उसका असर फेफड़ों पर भी होता था। यह जानकारी यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल को दे दी गई थी लेकिन उचित इलाज नहीं किया गया। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में कोरोना वायरस बड़ी संख्या में अश्वेतों को अपना शिकार बना रहा है। उनकी ही मौत भी सबसे ज्यादा हो रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोंडापल्ली खिलौने

लकड़ी से बने खिलौने अब बच्चों की दुनिया से गायब हो रहे हैं, लेकिन ये लंबे समय से हमारी परंपरा का हिस्सा रहे हैं। ये देखने में तो आकर्षक होते ही हैं, साथ ही तुम्हें ग्रामीण जीवन से भी रूबरू कराते हैं। आज इनके बारे में जानते हैं

कहां है तुम्हारा खिलौनों का संसार..कितने खिलौने हैं तुम्हारे पास.. वीडियो गेम, रिमोट वाली कार, बार्बी डॉल, रोबोट यही सब ना। जब भी मम्मी के साथ बाजार जाते हो, एक नया खिलौना तो लाते ही हो। लेकिन कोई लकड़ी से बना हुआ खिलौना है क्या तुम्हारे इस चहेते भंडार में- खोजो जरा उसे।

क्या तुम्हें पता है कि नई चीजों को समझने व सीखने के लिए पढ़ना ही सबसे जरूरी काम नहीं, खेल के द्वारा भी तुम कई नई चीजों के बारे में जान सकते हो। कई ऐसी सीख हैं, जो हमें बस खेल से मिल जाती हैं और खिलौना तो हम किसी भी वस्तु को बना सकते हैं। अब शेर के बच्चे को ले लो, वो तो अपनी मां की पूंछ को खिलौना बनाकर खेलते हैं। यहां तक कि हमारे खुद के खिलौनों में कई बार रसोई के बर्तन, जैसे चम्मच या फिर कार्डबोर्ड बॉक्स शामिल होते हैं।

कोंडापल्ली खिलौने

कोई लकड़ी का टुकड़ा देकर उसका उपयोग करने को कहे तो तुम क्या कर सकते हो? या तो पेपर वेट बनाओगे या अपने दरवाजे को हवा से बंद न हो तो ब्रेकर की तरह उपयोग करोगे बस। लेकिन कोंडापल्ली कारीगर को वही टुकड़ा दो, देखो वे अपने हाथ के जादू से किस तरह उसमें रंग भर तुम्हारे लिए खूबसूरत खिलौना बना देंगे।

भारत में कई ऐसे क्षेत्र हैं, जो खिलौने बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं। दक्षिणी राज्यों में आंध्र प्रदेश के कोंडापल्ली, निर्मल, एट्टीकोपक्का और तिरुपति लकड़ी के खिलौने के लिए जाने जाते हैं।

आंध्र प्रदेश स्थित विजयवाड़ा जिले में बने लकड़ी के कोंडापल्ली खिलौने काफी प्रसिद्ध है। जो कारीगर इस पेशे में हैं उनकी पीढ़ी दर पीढ़ी की आजीविका इसी कला पर निर्भर है। कोंडापल्ली आंध्र प्रदेश का एक औद्योगिक कस्बा है, जिसकी पहचान ही इन खिलौने के कारण है।

कैसे बनते हैं ये

इन खिलौनों को बनाना बच्चों का खेल नहीं। इनकी डिजायनिंग में काफी लंबा समय लगता है। इस क्षेत्र के दस्तकार हल्की लकड़ी जिसे पुंकी लकड़ी के नाम से जाना जाता है, से इन खिलौनों को बनाते हैं। यह काफी मुलायम होती है और आसानी से मुड़ा भी जाती है। सबसे पहले लकड़ी को इतना गर्म किया जाता है कि इसमें नमी न रहे। फिर जो खिलौने की आकृति बनाई जानी है उसके अलग-अलग हिस्से बनाए जाते है। इन हिस्सों को जोड़ दिया जाता है, फिर इन पर प्राकृतिक और एनामिल रंग लगाए जाते है, फिर पतले हल्के ब्रश से इन पर पेंटिंग बनाई जाती है। इन चित्रकारियों में पशु-पक्षी, ग्राम्य जीवन, देवी-देवताओं तथा सैनिकों आदि की आकृतियां बनाई जाती हैं। ये खिलौने देखने मे बहुत ही खूबसूरत लगते हैं।

खिलौनों की थीम

इन खिलौनों को जानवरों और ग्रामीण जीवन को देखते हुए डिजायन किया जाता है। हंस, मोर और तोता इसके लिए लोकप्रिय थीम हैं। कुछ जिंदगी के प्रसंग को भी खिलौने बनाने में थीम की तरह उपयोग किया जाता है। जैसे कुएं से पानी खींचती महिला, सपेरे, हाथी के साथ महावत आदि। इसके साथ ही भगवान को भी आकार दिया जाता है, जैसे कृष्ण- इन्हें बांसुरी बजाते और गायों से घिरा हुआ दिखाते हैं।

बहुत-कुछ सिखाते हैं

ये खूबसूरत कोंडापल्ली खिलौने जिंदगी में सीख तो देते ही हैं, साथ ही रंग और खुशी भी भरते हैं। ये ग्रामीण जिंदगी से रूबरू कराते हैं। आज बार्बी डॉल ने भले ही पुराने खिलौनों की जगह ले ली है, लेकिन इन पुराने कोंडापल्ली खिलौनों की यादें सबके दिल में बसी रहेंगी।

कितने पुराने खिलौने

भारत में 5,000 वर्ष पुराने हड़प्पा संस्कृति के खिलौने अब तक मौजूद हैं। ये खिलौने प्राकृतिक चीजों से जैसे वले, लकड़ी और पत्थरों से बने हैं। और तो और ये प्राचीन खिलौने बाद में हाथों से बनाए गए खिलौनों से काफी मेल खाते हैं।

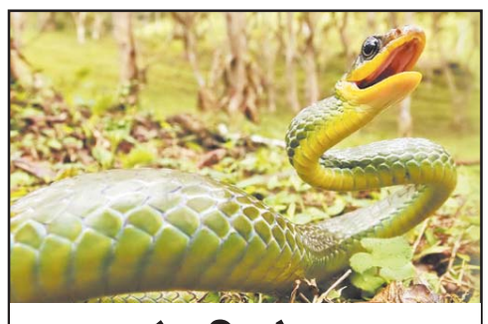

कुछ ऐसी है सांपों की दुनिया...

दुनियाभर में करीब 2500 प्रजाति के सांप पाए जाते हैं। इनमें अपने देश में ही लगभग 250 तरह के सांप हैं। सारे सांप जहरीले नहीं होते हैं। हमारे देश में पाए जाने वाले सांपों में करीब 50 प्रजाति के जहरीले होते हैं। इनमें कोबरा, मनीर, गोनस व फर्सा सबसे ज्यादा जहरीले होते हैं। सबसे जहरीला सांप ऑस्ट्रेलियन टाइगर है और विषैले सांपों में सबसे लंबा सांप किंग कोबरा है। किंग कोबरा नाग नहीं होता, लेकिन नाग की तरह फन निकालता है। वैसे विश्व का सबसे लम्बा सांप एनाकोंडा है, जिस पर फिल्म भी बन चुकी है, लेकिन यह जहरीला नहीं होता है। भारत में सबसे लंबा सांप रेटिक्युलेटेड पायथन है और यह भी जहरीला नहीं होता है। भारत का सबसे जहरीला सांप मनीर है। इसमें नाग की अपेक्षा दस गुना अधिक जहर होता है। मनीर का शरीर काला-नीला होता है, उस पर सफेद धारियां होती हैं। यह दिन में आराम करता है और रात में शिकार।

हवा से चलती है यह कार

इंटरनेट पर दोस्त बने रोमानिया के राउल ओएदा और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव समारटिनो ने बातों-बातों में इस तकनीक पर चर्चा की और इसको बनाने की ठानी। लेगो ब्लॉक से बनी और हवा से चलनेवाली इस कार की अधिकतम रफ्तार 30 किमी प्रति घंटा है। रोमानियाई तकनीशियन और ऑस्ट्रेलियाई उद्यमी ने इस कार को बनाने के लिए 5,00,000 लेगो ब्लॉक का इस्तेमाल किया। बेहद खर्चीले इस प्रोजेक्ट के लिए स्टीव समारटिनो ने आधी रात में ट्विट किया ''कोई है जो 500 से 1000 डॉलर लागत के एक प्रोजेक्ट में निवेश कर सकता है, जो बेहद अद्भुत और दुनिया का पहला प्रोजेक्ट होगा, कम से कम 20 सहयोगी चाहिए।'' और देखते ही देखते 40 ऑस्ट्रेलियाई नकद देने के लिए आगे आए और इस तरह 'ऑसम माइक्रो प्रोजेक्ट' का जन्म हुआ। पता है दोस्तों, इस कार को बनाने में 18 महीने का वक्त लगा और लगभग 60 हजार अमेरिकी डॉलर के खर्च हुए, जो सामूहिक योगदान से इकट्ठा किया गया। इस कार की खासियत यह है कि पहिया छोड़कर सब कुछ लेगो ब्लॉक का बना हुआ है। हवा से चलनेवाले चार इंजन और 256 पिस्टन कार को शक्ति प्रदान करते हैं।

हाथी भी जताते हैं दु:ख उनमें भी हैं भावनाएं

एक समय तक हमारी धारणा यही थी कि संसार में भावनाएं सिर्फ मनुष्यों में ही पाई जाती हैं किन्तु बाद में पता चला कि इंसानों में ही नहीं बल्कि जानवरों में भी भावनाएं होती हैं और फिर जैसे-जैसे विज्ञान ने विकास किया पेड़-पौधों पर अध्ययन हुए तो पेड़-पौधों में भी भावनाओं का पाया जाना स्पष्ट हो गया। अब यह तय है कि भावनाएं अथवा संवेदनशीलता सभी प्राणियों में पाई जाती है।

दोस्तों, आपने भी कई बार अपने आसपास उपस्थित जानवरों में भावनाओं को महसूस किया होगा... कभी अपने पालतू को अपनों से बिछड़ने पर रोते देखा होगा या कई बार उसे किसी अन्य तरीके से सामान्य से हटकर कुछ अलग तरह का व्यवहार करते देखा होगा। जानवरों में कौन कितना अधिक भावुक है इसकी व्याख्या हाल ही में अमेरिका के विलियम एंड मेरी कॉलेज के मानव विज्ञान की प्रोफेसर बारबरा जे किंग ने अपनी एक पुस्तक 'हाउ एनीमल्स ग्रीव' में की है। अपनी इस पुस्तक में उन्होंने जानवरों की कई प्रजातियों पर अध्ययन को लोगों के साथ शेयर किया है। उनकी व्याख्या बताती है कि दु:ख व्यक्त करने में हाथी सबसे अधिक भावुक जानवर है। किताब में उन्होंने जानवरों की कई प्रजातियों के द्वारा अपनों से बिछड़ने का शोक व्यक्त करने के तरीकों का वर्णन किया है जिसमें हाथी द्वारा भावनाएं प्रकट करने का तरीका अचरज भरा था।

किताब के जरिए उन्होंने बताया कि एक शोधकर्ता द्वारा हाथी के शव को रेत में छोड़ दिये जाने पर पाया गया कि हाथियों के पांच अलग-अलग परिवार उस हाथी के शव के पास आए और सभी ने अलग-अलग तरीके से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। किसी ने शव के चारों ओर चक्कर लगाकर दु:ख व्यक्त किया... किसी ने चुपचाप उसके पास खड़े रहकर तो किसी ने मरे हुए हाथी की हड्डियां अपनी सूंड से उठाकर अपनी संवेदना प्रकट की। बारबरा का कहना है कि वे यह नहीं मानतीं कि जानवरों का शोक प्रकट करने का तरीका इंसानों की तरह का है किन्तु कुछ प्रजातियों में दु:ख व्यक्त करने की भावनाएं वास्तविक होती हैं। बारबरा के मुताबिक उन्होंने दो ऐसी बिल्लियों का भी अध्ययन किया जो बहनें थी और एक के मर जाने पर दूसरे ने लम्बे समय तक उसके शव को नहीं छोड़ा। हालांकि वह यह नहीं मानती कि जानवर भी इंसानों की तरह ही शोक व्यक्त करते हैं।

जानवरों में सबसे ज्यादा भावुक कौन

अक्सर जब हम किसी अपने से मिलते या बिछड़ते हैं तो भावुक हो जाते हैं। अगर कोई मित्र बहुत दिनों बाद मिले तो हम उसे खुशी से गले लगा लेते हैं। पर यदि कोई अपना बिछड़ जाए तो रोते-बिलखते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि जानवरों में भावुकता पाई जाती है या नहीं? क्या कुत्ते-बिल्ली भी भावनाओं में बहते हैं? बड़े से हाथी और छोटी सी चींटी भी भावुक होते हैं? हाल ही में अमेरिका के विलियम एंड मेरी कॉलेज में मानव विज्ञान की प्रोफेसर, बारबरा जे किंग ने इस विषय पर पड़ताल की। जिसका जिक्र उन्होंने अपनी नई किताब 'हाउ एनीमल्स ग्रीव' किया है। बारबरा के अनुसार वैसे तो सभी जानवरों में भावुकता होती है। पर विशालकाय हाथी दुख व्यक्त करने वाले जानवरों में सबसे ज्यादा भावुक होते हैं। जब एक हाथी के एक शव को रेत में छोड़ दिया गया, तो हाथियों के पाँच अलग-अलग परिवार उस हाथी के शव के पास आए और उन्होंने अलग-अलग तरीके से अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। किसी ने हाथी के शव के चारों ओर घूमकर, तो किसी ने मरे हुए हाथी की हड्डियां अपनी सूंड़ पर उठाकर दुख व्यक्त किया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरकार से बातचीत को तैयार हुए किसान, 29 को मीटिंग का भेजा प्रस्ताव

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नए कृषि कानून के खिलाफ आंदोलन पर बैठे किसानों ने सरकार से फिर से बातचीत शुरू करने का फैसला किया है। शनिवार को किसान नेताओं की बैठक के बाद भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष राकेश टिकैत ने कहा कि किसान नेताओं ने सरकार के साथ बातचीत फिर से शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सरकार से बातचीत के लिए 29 दिसंबर को सुबह 11 बजे बैठक का प्रस्ताव भेजा गया है। किसान नेताओं ने केंद्र सरकार को अपनी ओर से बैठक का एजेंडा भी भेजे हैं जिस पर वो बातचीत करना चाहते हैं।

राकेश टिकैत ने कहा कि तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने, स्वक्के लिए कानूनी गारंटी सरकार के साथ बातचीत का एजेंडा होना चाहिए। बता दें कि सरकार भी किसानों से कई बार अपील कर चुकी है कि वे आंदोलन का रास्ता छोड़े और बातचीत शुरू करें। बिच में किसानों से सरकार की ओर से भेजे गए प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा था कि वो आग से न खेले और आंदोलन को हल्के में न लें।

बैठक का एजेंडा

1. तीन केंद्रीय कृषि कानूनों को रद्द/निरस्त करने के लिए अपनाए जाने वाली क्रियाविधि ।
2. सभी किसानों और कृषि वस्तुओं के लिए राष्ट्रीय किसान आयोग द्वारा सुझाए लाभदायक स्वक्क की कानूनी गारंटी देने की प्रक्रिया और प्रावधान।
3. 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आयोग अध्यादेश, 2020' में ऐसे संशोधन जो अध्यादेश के दंड प्रावधानों से किसानों को बाहर करने के लिए ज़रूरी हैं।
4. किसानों के हितों की रक्षा के लिए 'विद्युत संशोधन विधेयक 2020' के मसौदे में ज़रूरी बदलाव।

बता दें कि कृषि सुधार कानूनों के विरोध में किसान संगठन की ओर से किए जा रहे आंदोलन का आज 31वां दिन है। किसान संगठन की ओर से राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर लगातार धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इस बीच सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है। संयुक्त किसान मोर्चा की आज बैठक हुई जिसमे सरकार की ओर से आए बातचीत के प्रस्ताव तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई।

आंदोलन कर रहे किसानों का साथ देने के लिए शनिवार को पंजाब से किसानों के कई जत्थे राशन और अन्य आवश्यक सामान अपने साथ लेकर दिल्ली की सीमाओं की ओर बढ़े। किसान यूनियन के नेताओं के अनुसार संगरूर, अमृतसर, तरनतारन, गुरदासपुर और बठिंडा जिलों समेत विभिन्न स्थानों से किसान सिंघू और टिकरी बॉर्डरों की ओर बढ़ रहे है।

उन्होंने शनिवार को पंजाब के कई हिस्सों में कोहरे और शीत लहर की स्थिति के बावजूद यात्रा शुरू की। ट्रैक्टर ट्रॉली, कारों और अन्य वाहनों से बुजुर्गों और महिलाओं सहित किसान राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं की ओर बढ़ रहे है। इन वाहनों को अमृतसर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर देखा गया।

ऐसा लगता था कि किसानों को लंबे समय तक रहने के लिए तैयार किया गया है क्योंकि उनकी ट्रॉलियों में उनका राशन और अन्य आवश्यक सामान

भी था। भारतीय किसान यूनियन (एकता उग्राहन) ने दावा किया कि राष्ट्रीय राजधानी के निकट प्रदर्शनस्थलों की ओर खनौरी और डबवाली सीमाओं से हजारों किसान मार्च करेंगे। संगठन के महासचिव सुखदेव सिंह ने कहा कि जो नये जत्थे आ रहे हैं, उनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं।

सार समाचार

अरुणाचल के पासीघाट स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस की करारी हार, 8 में से 6 सीटों पर भाजपा का कब्जा

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट नगर निगम (पीएमसी) की आठ में से छह सीटें जीत कर भाजपा ने स्थानीय निकाय का शासन कांग्रेस से छीन लिया है वहीं ईटानगर में हुए नगर निगम चुनाव (आईएमसी) में पहली बार हिस्सा लेने वाले जद(यू) को काफी लाभ हुआ और उसके हिस्से में चार सीटें आयी हैं। पीएमसी चुनाव 2013 में सात सीटें जीतने वाली कांग्रेस को इस बार सिर्फ दो वार्ड सीटें मिली हैं। आईएमसीकी 20 सीटों में से भाजपा के पांच उम्मीदवार निर्विरोध जीते हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव न्याली ऐते ने कहा, ''आईएमसी के बाकी 15 वार्ड में से चार के चुनाव परिणाम भी आ गए हैं और चारों सीटों पर बेहद कम अंतर से जद(यू) को जीत मिली है। स्थानीय निकाय की अन्य सीटों पर मतगणना जारी है।'' स्थानीय निकाय चुनाव 2013 में पीएमसी की 12 और आईएमसी की 30 सीटें थीं। लेकिन वार्डों के परिसीमन के बाद दोनों शहरी निकायों की सीटें घट गईं। पिछले चुनाव में पीएमसी में कांग्रेस को सात सीटें मिली थीं, भाजपा को दो और निर्दलीय उम्मीदवारों को तीन सीटें मिली थीं। आईएमसी चुनाव 2013 में कांग्रेस को 21 सीटें मिली थीं। वहीं राकांपा को चार, भाजपा को तीन, पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल को एक और निर्दलीय को एक सीट मिली थी।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी पर बोलीं प्रियंका, किसानों का सवाल उठाने से कोई रोक नहीं सकता

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में 'गाय बचाओ, किसान बचाओ' पदयात्रा निकाल रहे पार्टी नेताओं की गिरफ्तारी के बाद शनिवार को कहा कि दुनिया की कोई ताकत किसानों के हित का सवाल उठाने से नहीं रोक सकती। उन्होंने ट्वीट किया, ''उप्र कांग्रेस के प्रिय सिपाहियों, आप खेती किसानी की दुर्दशा उजागर करने और गौवंश के साथ हो रहे अनाचार का पर्दाफाश करने के लिए पदयात्रा निकाल रहे हैं। आप गाय बचाओ किसान बचाओ का नारा बुलंद कर रहे हैं। दुनिया की कोई भी शक्ति आपको किसान हित का सवाल उठाने से रोक नहीं सकती।'' गाय बचाओ-किसान बचाओ पदयात्रा निकाल रहे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को शनिवार दोपहर ललितपुर की पुलिस ने दैलवारा कस्बे के करीब अनेक कार्यकर्ताओं के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस पर बल प्रयोग करने का आरोप लगाया है।

21 साल की उम्र में देश की सबसे युवा मेयर होंगी आर्या राजेंद्रन, पार्टी ने दी बड़ी जिम्मेदारी

नयी दिल्ली। 21 साल की उम्र में ज्यादातर युवा यही सोचते हैं कि उन्हें आगे क्या करना है। अपने भविष्य को किस तरह से सुनहरा बनाना है। लेकिन 21 साल की ही आर्या राजेंद्रन ने इतिहास रच दिया है। आर्या राजेंद्रन केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम की अगली में मेयर बनेंगी। इतना ही नहीं, वह देश के इतिहास में अब तक की सबसे युवा मेयर हैं। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने युवा राजेंद्रन पर भरोसा जताया है और उन्हें बड़ी जिम्मेदारी देने का फैसला किया है। आर्या राजेंद्र को मेयर नियुक्त करने का फैसला सीपीएम जिला सचिवालय ने लिया है। हाल ही में हुए यहां चुनाव में एलडीएफ में 100 में से 51 वार्ड जीते थे। मुदवनमुकल वार्ड से आर्या राजेंद्रन पार्षद बनी हैं। आर्या राजेंद्रन ऑल विमेन ऑल सेंट्स कॉलेज में पढ़ाई करती हैं। उनका परिवार शुरू से ही सीपीएम का समर्थक रहा है। आर्य राजेंद्रन के पिता एम राजेंद्रन ने कहा कि आर्या की राजनीति में रुचि शुरू से ही रही है। जब आर्या 9 साल की थीं और पांचवी कक्षा में पढ़ाई कर रही थीं तभी वह सीपीएम से जुड़ी थीं। आर्या जिला अध्यक्ष बनने के बाद 2 साल तक बालासंगम की स्टेट प्रेसिडेंट भी रहीं। बालासंगम में अच्छी भूमिका के बाद उन्हें स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया की जिम्मेदारी भी दी गई। आपको बता दें कि बालासंगम बच्चों का संगठन है।

अहमदाबाद नगर निगम ने कोरोना टीका के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन सुविधा शुरू की

अहमदाबाद। अहमदाबाद नगर निगम ने प्राथमिकता समूहों के लोगों के वास्ते कोरोना वायरस के टीके के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन सुविधा शुरू की है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अहमदाबाद नगर निगम के अनुसार, शहर में प्राथमिकता वाले समूहों के ऐसे लोग जिन्होंने अभी तक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ अपना पंजीकरण नहीं कराया गया है, वे ऑनलाइन अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, नागरिक निकाय ने स्वास्थ्य कर्मियों, अग्रिम पंक्ति के कर्मियों, 50 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों तथा 50 वर्ष से कम उम्र के ऐसे लोगों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की है जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। गुजरात सरकार ने पहले कहा था कि उसने 3.9 लाख स्वास्थ्य कर्मियों की पहचान कोरोना वायरस टीकाकरण के लिए पहले प्राथमिकता समूह के रूप में की है। उनमें 2.71 सरकारी डॉक्टर, नर्स, लैब सहायक और अन्य कर्मी शामिल हैं।

सभी भाजपा विरोधी दलों को यूपीए के बैनर तले होना चाहिए एकजुट : शिवसेना

मुम्बई। (एजेंसी)।

शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दल कांग्रेस 'कमजोर और बिखरी हुई' है। इसके साथ ही उसने सुझाव दिया कि शिवसेना सहित सभी भाजपा विरोधी दलों को मजबूत विकल्प प्रदान करने के लिए संप्रग के बैनर तले एकजुट होना चाहिए। उसने कहा कि केंद्र में जो लोग वर्तमान में सत्तारूढ़ हैं, वे किसान प्रदर्शन के प्रति उदासीन हैं और ''निष्प्रभावी'' विपक्ष सरकार की इस उदासीनता के पीछे की मुख्य वजह है। सामना ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार पर दोषारोपण करने के बजाय मुख्य विपक्षी दल को अपन नेतृत्व के मुद्दे को लेकर आत्मावलोकन करना चाहिए।

उसने कहा, ''किसान राष्ट्रीय राजधानी की सीमा पर प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन दिल्ली के शासक इस प्रदर्शन के प्रति बिल्कुल उदासीन है। बिखरा एवं कमजोर विपक्षी दल सरकार की इस उदासीनता के पीछे की मुख्य वजह है। निष्प्रभावी विपक्ष से लोकतंत्र का यह बिखराव हो रहा है।'' उसने कहा, ''सरकार पर दोषारोपण करने के बजाय विपक्षी दल को आत्मावलोकन करना चाहिए। विपक्षी नेतृत्व का बड़े पैमाने पर जनता में प्रभाव हो। लेकिन इस मोर्चे पर यह पार्टी किनारे पर खड़ी है।'' शिवसेना के मुखपत्र ने कहा, '' राहुल गांधी व्यक्तिगत रूप से कड़ी टक्कर दे रहे हैं लेकिन कुछ कमी रह जा रही है... कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की वर्तमान स्थिति एक एनजीओ की भांति है। यहां तक कि संप्रग के घटकों ने भी किसान प्रदर्शन को गंभीरता से नहीं लिया।'' उसने कहा, ''राकांपा प्रमुख शरद पवार राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग हस्ती हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी अकेले लड़ाई लड़ रही हैं। देश के विपक्षी दल को इस घड़ी में उनके साथ खड़ा रहना चाहिए। ममता बनर्जी ने बस पवार से संपर्क किया और वह बंगाल जा रहे हैं। लेकिन यह कांग्रेस के नतृत्व में होना चाहिए था।'' मराठी दैनिक ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना, अकाली दल, बहुजन समाज पार्टी, आखिलेश यादव, जगनमोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस, तेलंगाना के के चंद्रशेखर राव, ओड़िशा के नवीन पटनायक, कर्नाटक के एच डी कुमारस्वामी सभी भाजपा के विरोधी हैं, लेकिन वे कांग्रेस नीत संप्रग का हिस्सा नहीं हैं। जब तक वे संप्रग के साथ नहीं जुड़ते हैं तबतक विपक्ष मजबूत विकल्प नहीं दे सकता।'' उसने कहा, ''(कृषि कानून पर विरोध मार्च के दौरान) दिल्ली में प्रियंका गांधी को गिरफ्तार कर लिया गया, राहुल गांधी का भाजपा ने सार्वजनिक रूप से उपहास किया, महाराष्ट्र में ठाकरे सरकार को काम नहीं करने दिया जाता है, भाजपा नेता ऑन रिकार्ड कहते हैं कि मध्यप्रदेश में कमलनाथ सरकार को गिराने में प्रधानमंत्री की भूमिका अहम थी। यह सब लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है।'' सामना ने कहा कि स्थिति और नहीं बिगड़े, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी कांग्रेस की है। उसने कहा, '' अहमद पटेल, मोतीलाल वोरा जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेता अब नहीं रहे। इस बात की स्पष्टता नहीं है कि कांग्रेस की अगुवाई कौन करेंगे और संप्रग का भविष्य क्या है। जैसे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में भाजपा को छोड़कर कोई और दल नहीं है, उसी तरह संप्रग में कोई अन्य नहीं है। लेकिन भाजपा पूर्ण सत्ता में है और उसके पास नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसा शक्तिशाली नेतृत्व है। संप्रग में ऐसा कोई नहीं है।''

गांधी परिवार पर बरसीं स्मृति ईरानी, बोलीं- अगले लोकसभा चुनाव में रायबरेली से भी होगी विदाई

अमेठी। (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में रायबरेली से भी गांधी परिवार की विदाई हो जाएगी। अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी के तीन दिवसीय दौरे पर यहां आईं ईरानी ने आज दूसरे दिन उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ नवोदय विद्यालय, गौरीगंज में 79.59 करोड़ रुपये लागत की 67 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। ईरानी ने इस अवसर पर कहा, ''राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गाली देते हैं और देश में भ्रम फैला रहे हैं तथा झूठा प्रचार कर रहे हैं।''

उन्होंने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पर किसानों की जमीन हड़पने और उनका हक छीनने का आरोप लगाते हुए कहा कि सोने के महल में रहने वाले किसानों का दर्द कैसे समझेंगे। ईरानी ने कहा कि अमेठी से गांधी परिवार की विदाई हो चुकी है और 2024 में रायबरेली से भी उसकी विदाई हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि रायबरेली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी करती हैं। ईरानी ने कहा, ''गांधी खानदान से किसी सामान्य घर की महिला के लिए लड़ना आसान नहीं था। मैंने बहुत अपमान झेला है और गाली सुनी है, लेकिन जनता के प्यार से आज मैं यहां सांसद के रूप मे खड़ी हूँ।''

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में अमेठी सीट से हार चुकीं ईरानी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को इस सीट से पराजित किया था। ईरानी ने आरोप लगाया कि गांधी परिवार और राहुल गांधी ने जानबूझकर अमेठी में किसानों तथा गरीबों को और अधिक गरीबी की ओर धकेलने का काम किया ताकि उनकी राजनीति यहां चलती रहे। भाजपा नेता ने गांधी परिवार पर तंज कसते हुए कहा, ''जिन्होंने कभी गरीबी नहीं देखी, वे गरीबों का दर्द क्या जानेंगे। उन्हें तो दो 'सीजनी फसलों' का नाम भी पता नहीं होगा।

नवीन पटनायक बोले, बीजद महिला आरक्षण को बड़ा राष्ट्रीय मुद्दा बनाएगा

भुवनेश्वर। (एजेंसी)।

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सिर्फ चुनावों के दौरान महिला सशक्तिकरण के बारे में बातें करने को लेकर राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों की शनिवार को आलोचना की। साथ ही, उन्होंने कहा कि बीजद लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा के हर सत्र में महिला आरक्षण का मुद्दा उठा कर इसे एक''राष्ट्रीय आंदोलन'' बनाएगा। बीजू जनता दल (बीजद) के 24 वें स्थापना दिवस के अवसर पर पटनायक ने कहा कि उनकी पार्टी विधानसभाओं और संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की मांग जारी रखेगी। बीजद अध्यक्ष ने कहा कि उनके पिता देश के किसी राज्य के ऐसे पहले मुख्यमंत्री थे , जिन्होंने 1992 में ओडिशा के पंचायतों एवं शहरी निकायों के चुनाव मेंमहिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित की थी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''बीजू पटनायक की विचारधारा के आधार पर हमारी बीजद सरकार ने पंचायतों और शहरी निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण बढ़ा कर 50 प्रतिशत कर दिया। '' पटनायक ने किसी पार्टी का नाम लिए बगैर कहा, ''राष्ट्रीय स्तर की पार्टियां चुनाव के दौरान महिला सशक्तिकरण की बातें करती हैं और चुनाव घोषणापत्र में इसके लिए वादे करती हैं, लेकिन जीतने के बाद आसानी से इसे भूल जाती है। '' उन्होंने कहा कि बीजद राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों को विधानसभाओं और संसदीय चुनावों में 33 प्रतिशत आरक्षण के संबंध में उनके भूला दिए गए वादों की याद दिलाएगा।

बीजद प्रमुख ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगे कि भारत में हर महिला को उसके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाए। पटनायक ने कहा, ''बीजद घर-घर, गांव-गांव जाकर यह संदेश फैलाएगा और महिला आरक्षण मुद्दे को राष्ट्रीय आंदोलन बनाएगा। '' उन्होंने कहा, ''हम अपनी आधी आबादी को उनके अधिकारों से वंचित नहीं रख सकते हैं। हमारे देश के राजनीतिक पटल पर उनका भी उचित स्थान होना चाहिए। '' उन्होंने कहा, ''यदि हम भारतीय विकसित देशों का मुकाबला करना चाहते हैं तो हमें पहले अपनी महिलाओं को अधिकार देना होगा।'' महिला आरक्षण पर पटनायक का बयान काफी मायने रखता है क्योंकि राज्य में अगले साल 114 शहरी स्थानीय निकायों के लिए चुनाव होने वाले हैं। इसके बाद, 2022 में पंचायत चुनाव होंगे और 2024 में विधानसभा चुनाव तथा लोकसभा चुनाव होने हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पटनायक की टिप्पणी पर कहा, ''आप देख सकते हैं कि ओडिशा में महिलाओं और बच्चों से कैसा व्यवहार किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार नयागढ़ में पांच वर्षीय बच्ची को न्याय दिला पाने में नाकाम रही है। बच्ची की 14 जुलाई को हत्या कर दी गई थी। प्रधान ने कहा, ''पटनायक का यह बयान महिलाओं और लड़कियों पर अत्याचार से लोगों का सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए है।

सीएम योगी ने दिया निर्देश, अयोध्या में विकास कार्यों की गति की जाए तेज

लखनऊ। (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में विकास कार्यों की गति तेज करने का निर्देश देते हुए शनिवार को कहा कि भगवान राम की जन्मस्थली के महत्व को ध्यान में रखकर केन्द्र व राज्य सरकार उसे उसके प्राचीन गौरव के अनुरूप प्रतिष्ठित करने के लिए संकल्पबद्ध हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को यहां लोक भवन में अयोध्या धाम के समेकित पर्यटन विकास संबंधी कार्यों के प्रस्तुतीकरण का अवलोकन कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अयोध्या नगरी का विकास इस प्रकार से किया जाए जिससे वहां पहुंचने वाले लोगों को स्तरीय सुविधाएं प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि अयोध्या में विकास कार्यों की गति तेज की जाए और यातायात की व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए सड़कों को चौड़ा किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न दिशाओं से अयोध्या पहुंचने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए सड़कों का प्रभावी और निर्बाध नेटवर्क तैयार किया जाए तथा सड़कों के दोनों ओर पेयजल, शौचालय जैसी जनसुविधाओं की अच्छी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अपने वाहनों से आने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए विभिन्न स्थलों पर 'मल्टी लेवल' पार्किंग का निर्माण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटकों को अयोध्या धाम का भ्रमण कराने के लिए प्रशिक्षित गाइडों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और भरत कुण्ड, सूर्य कुण्ड तथा नन्दी ग्राम का तेजी से विकास किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग से संबंधित समस्त कार्य तेजी से कराए जाएं जिससे श्रद्धालुओं को परिक्रमा करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। योगी ने कहा कि श्री मखौड़ा धाम, बस्ती में पर्यटन संबंधी सभी कार्य भी निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अयोध्या का विकास 'सोलर सिटी' के रूप में किया जाए।

छत्तीसगढ़ साल 2020 में कोरोना से जंग, नक्सली हिंसा, सरकार और राजभवन में टकराव का बना साक्षी

रायपुर। (एजेंसी)।

कांग्रेस के शासन वाला छत्तीसगढ़ गुजरने जा रहे साल 2020 में राज्य सरकार और राजभवन के बीच 'टकराव', हिंसक नक्सली घटनाओं का तो साक्षी बना ही, साथ ही देश और दुनिया की तरह कोरोना वायरस महामारी की गिरफ्त में भी आ गया। प्रदेश की राजनीति में खासा दखल रखने वाले दिग्गज अजीत जोगी और मोतीलाल वोरा जैसे नेताओं ने जहां इस दुनिया को अलविदा कहा तो वहीं हजारों लोगों की मौत के सबब बने कोविड-19 के प्रबंधन को लेकर भी आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिले। इस साल 18 मार्च को राजधानी रायपुर में, राज्य में कोविड-19 का पहला मरीज सामने आया जो एक महिला थी। इसके बाद पूरे साल यह महामारी प्रदेश के स्वास्थ्य इंतजामों की परीक्षा लेती रही। प्रदेश में 25 दिसंबर तक 2,72,000 से अधिक लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए और 3200 से अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए प्रदेश सरकार ने राज्य की सीमाओं को बंद करने के साथ ही स्कूलों तथा सार्वजनिक स्थानों को बंद रखने का ऐलान कर दिया। जब दूसरे राज्यों से मजदूरों का आना शुरू हुआ तब राज्य के 21,000 पृथकवास केंद्रों में सात लाख से अधिक लोगों को ठहराने की व्यवस्था की गई। राहत के उपायों के बीच राज्य सरकार पर लापरवाही बरतने का आरोप भी लगा। राज्य के मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की लचर व्यवस्था के कारण इन पृथकवास केंद्रों में 26 लोगों की जान गई है। राज्य में इस वर्ष फरवरी में आयकर विभाग के छापों को लेकर सत्ताधारी दल कांग्रेस और विपक्षी दल भाजपा आमने-सामने हुए। फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयकर विभाग ने राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों, कांग्रेस नेताओं और व्यापारियों के ठिकानों में छापा मारा था। छापों से नाराज सत्ताधारी दल ने इसे राज्य सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कहा तो वहीं, भाजपा ने राज्य सरकार पर आयकर विभाग की कार्रवाई को बाधित करने का आरोप लगाया था।

प्रदेश में टकराव सिर्फ सत्तापक्ष और विपक्ष में ही नहीं दिखा, राज्य सरकार और राज्यपाल भी कई मुद्दों को लेकर टकराव की राह पर दिखे। मार्च महीने में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय में कथित तौर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विचारधारा वाले प्रोफेसर बलदेव भाई शर्मा की कुलपति के रूप में नियुक्ति राज्य सरकार को ठीक नहीं लगी। अक्टूबर में विधानसभा के विशेष सत्र की अनुमति देने के दौरान भी राजभवन और राज्य सरकार आमने सामने थे। इस विशेष सत्र में राज्य सरकार ने विधानसभा में छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी (संशोधन) विधेयक 2020 पारित कराया था। प्रशासनिक मोर्चे पर प्रदेश सरकार के लिये चुनौतियां भले ही कम न रही हों लेकिन साल 2020 सियासी तौर पर सत्ताधारी

कांग्रेस के लिये अच्छा साबित हुआ। राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के बीच प्रतिष्ठित मरवाही विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव कराया गया जिसमें कांग्रेस ने जीत हासिल की।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)